दैनिक क्षितिज किरण

नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K

RNI No.61546/95

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-76 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 29 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बापू की बातें

मैंने जाति-बंधन को संयम की वृद्धि में सहायक मानकर स्वीकार किया है। परंतु आजकल जाति संयम में सहायक नहीं है बल्कि केवल बंधन बनकर रह गई दिखाई देती है। संयम मनुष्य को शोभा देता है और स्वतंत्र बनाता है। बंधन एक बेड़ी के समान है और वह मनुष्य की अवनति करता है। आजकल जाति का जो अर्थ होता है वह न वांछनीय है और न शास्त्रीय।

(03.05.1925: नवजीवन में प्रकाशित टिप्पणियों का अंश : सं.गां.वां. खंड 27 : पृष्ठ 21)

बंगाल में दूसरे चरण की वोटिंग आज

142 सीटों पर वोटिंग, CRPF ने किया फ्लैग मार्च

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में बुधवार को 142 सीटों पर वोटिंग होनी है। इसको लेकर राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। ममता की भवानीपुर सीट पर मंगलवार को CRPF ने फ्लैग मार्च निकाला। ममता के खिलाफ भाजपा ने सुवेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है।इधर चुनाव कर्मचारी EVM मशीन लेकर पोलिंग बूथ पर पहुंच चुके हैं। कोलकाता में एक महिला कर्मचारी गर्मी के चलते बेहोश हो गई। सेकेंड फेज में कुल 1448 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण में 92.72 प्रतिशत मतदान हुआ था। 4 मई को नतीजे आएंगे।

भाजपा उम्मीदवार के घर के बाहर गोलीबारी

उत्तर 24 परगना के भाटपारा में भाजपा उम्मीदवार के आवास के बाहर गोलीबारी में एक सीआईएसएफ जवान घायल हो गया। मामले में एक पार्षद सहित चार लोग गिरफ्तार हुए हैं। उधर, हावड़ा में एक पोलिंग बूथ के परिसर से आठ क्रूड बम बरामद किए गए। तृणमूल पार्षद समेत 1,543 गिरफ्तार: दूसरे चरण के मतदान को शांतिपूर्ण बनाने के लिए चुनाव आयोग के निर्देश पर पुलिस ने राज्य भर में 1,543 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पूर्व बर्धमान के टीएमसी पार्षद नारु गोपाल भक्त भी शामिल हैं, जिन पर भाजपा नेता के घर हमले और डराने-धमकने का आरोप है। 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की जब्ती: बंगाल में 510 करोड़ रु. से अधिक की अवैध सामग्री जब्त हो चुकी है। 2021 के चुनाव में 339 करोड़ की जब्ती हुई थी। इस बार 30 करोड़ रु. नकद, 126.85 करोड़ की 48,000 लीटर शराब, 110.12 करोड़ के ड्रग्स और 58.28 करोड़ का सोना-चांदी शामिल है।

तृणमूल सांसद पर हमला, कांच से घायल

हुगली के गोघाट में तृणमूल सांसद मिताली बाग की गाड़ी पर पत्थरों से हमला हुआ। इसमें कांच लगने से वह घायल हो गईं। मिताली बाग ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया। वहीं भाजपा ने इसे सहानुभूति बटोरने के लिए किया गया 'नाटक' करार दिया है।

रूस ने भारत के लिए रवाना की चौथी एस-400 वायु रक्षा प्रणाली

नईदिल्ली, (आरएनएस)। ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर चौथी रूसी एस-400 वायु रक्षा प्रणाली भारत के लिए रवाना हो चुकी है। इसके मई के मध्य तक भारत पहुंचने की उम्मीद है। इसी तरह 5वीं एस-400 के इसी साल नवंबर में भारत भेजे जाने की संभावना है। केंद्र सरकार ने पहले ही 5 और एस-400 प्रणालियों की खरीद को हरी झंडी दे दी है, जिनमें किसी भी हवाई लक्ष्य को 400 किलोमीटर की लक्ष्य सीमा तक नष्ट करने की क्षमता है।

रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने चौथी एस-400 वायु रक्षा प्रणाली का भारत रवाना किए जाने से पहले ही 18 अप्रैल को निरीक्षण कर लिया था। यह एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली पिछले सप्ताह रूस से भेजी गई थी। उम्मीद है कि इस नई प्रणाली को राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र में तैनात किया जाएगा ताकि पाकिस्तान के खिलाफ उसकी मिसाइल रक्षा को मजबूत किया जा सके।भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल की गई मिसाइलों की भरपाई के लिए और स्टैंड-ऑफ हथियारों का भंडार बनाने के लिए पहले ही 280 लघु और दीर्घ श्रेणी की एस-400 मिसाइलें खरीदने का फैसला कर लिया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है। अनुमान है कि भारत ने पाकिस्तान पर 11 दीर्घ श्रेणी की एस-400 मिसाइलें दागीं, जिनमें दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हवाई चेतावनी प्रणालियों और परिवहन विमानों को मार गिराया था।ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने पंजाब और गुजरात में तैनात एस-400 वायु रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाने की पुरजोर कोशिश की, क्योंकि उन्हें यह स्पष्ट हो गया था कि सिंधु नदी के पूर्व में कोई भी हवाई अड्डा रूसी प्रणाली और उसके लंबी दूरी के रडार से सुरक्षित नहीं है।

बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को मिली सशर्त जमानत

इन्दौर (ए.)। मेघालय के सोहरा (चेरापूंजी) में पिछले साल हुए बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में शिलांग की एक स्थानीय अदालत ने मामले की मुख्य आरोपी और मृतक की पत्नी, सोनम रघुवंशी की जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। करीब 11 महीनों से न्यायिक हिरासत में बंद सोनम को यह राहत उनकी चौथी जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान मिली।क्या था पूरा मामला - मई 2025 में इंदौर निवासी बिजनेसमैन राजा रघुवंशी अपनी पत्नी सोनम के साथ हनीमून मनाने मेघालय गए थे। वहां से राजा के लापता होने की खबर आई और बाद में 2 जून 2025 को सोहरा के पास वेई सावदोंग फॉल्स की एक गहरी खाई से उनका शव बरामद हुआ।पुलिस और एसआईटी (SIT) की जांच में खुलासा हुआ था कि यह महज हादसा नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी। पुलिस का आरोप है कि सोनम ने अपने कथित प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर इस हत्या की साजिश रची थी और इसके लिए तीन कॉन्ट्रैक्ट किलर्स को सुपारी दी गई थी।

बड़ी जीतः होर्मुज की बाधा पार कर भारत के लिए सुरक्षित निकला विशाल LNG टैंकर, देश में ऊर्जा संकट होगा खत्म

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिका और ईरान की तनातनी ने मिडिल ईस्ट के समंदर को बारूद के ढेर में बदल दिया है। पूरी दुनिया सांसें रोककर बैठी है कि कब कौन सी मिसाइल तेल के बाजार में आग लगा दे। लेकिन इस खौफनाक और दमघोंटू माहौल के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने भारत की टेंशन छूमंतर कर दी है। जी हां, दुनिया के सबसे खतरनाक और विवादित समुद्री रास्ते 'होर्मुज जलडमरूमध्य' (Strait of Hormuz) से एक ऐसा चमत्कार हुआ है, जिसकी उम्मीद कम ही लोग कर रहे थे। युद्ध की आहट के बाद पहली बार प्राकृतिक गैस (LNG) से लदा एक भीमकाय जहाज इस 'मौत के समंदर' को चीरते हुए सुरक्षित बाहर निकल आया है। जहाजों के आवाजाही की जानकारी देने वाले ट्रैकिंग डेटा ने एक बड़ा खुलासा किया है। सोमवार को 'मुबाराज़' नाम के इस विशाल जहाज को भारतीय समुद्री क्षेत्र के आस-पास देखा गया है। इस जहाज में मार्च के महीने में ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के दास द्वीप संयंत्र से एलएनजी भरी गई थी।

उत्तराखंड महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया; देहरादून में विधानसभा की ओर मार्च करते समय पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को दे रहा है नई ऊर्जा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा हिरदेशाह लोधी की 168वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को नई ऊर्जा दे रहा है। आज राजा हिरदेशाह लोधी की 168वीं पुण्यतिथि पर शौर्य यात्रा के माध्यम से हम, भूले-बिसरे उन नायकों को समाज के सामने ला रहे हैं, जिन्होंने अंग्रेजी साम्राज्यवाद के खिलाफ सबसे पहले संगठित विद्रोह किया। राजा हिरदेशाह को नर्मदा टाइगर के नाम से भी जाना जाता है। वे 1842 की क्रांति के महानायक थे, जिनकी शौर्य गाथा आज भी बुंदेला, लोधी और जनजातीय समाज के नाटकों, लोक गीतों और लाखों-लाख हृदय में जीवित है। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी और आदर्श है। समाज के महापुरुषों के संघर्ष को भी याद करने की आवश्यकता है। जो संघर्षों से लड़ना जानता है, समाज उसका अभिनंदन करता है। राज्य शासन राजा हिरदेशाह के संघर्ष और देश की आजादी में उनके योगदान पर शोध कराएगी। इतिहास के गौरवशाली पृष्ठ पुनः खुलने चाहिए। राजा हिरदेशाह के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाएगा। नर्मदा के किनारे हीरापुर में राजा हिरदेशाह के नाम से एक तीर्थ स्थल का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 1842 की क्रांति के महानायक राजा हिरदेशाह लोधी की स्मृति में जंबूरी मैदान पर हुए ऐतिहासिक आयोजन और शौर्य यात्रा को संबोधित किया। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, सांसद दर्शन सिंह चौधरी तथा राजा हिरदेशाह लोधी और गोंड राजा नरवर शाह के वंशज उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 1842 की क्रांति के नायक नर्मदा टाइगर राजा हिरदेशाह पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का राजा हिरदेशाह पर शोध और उनके संघर्ष को पाठ्यक्रम में शामिल करने की घोषणा के लिए समाज के प्रतिनिधियों द्वारा अभिवादन किया गया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोधी समाज वीरता और किसान योद्धा परंपरा का प्रतीक है। अंग्रेजों की बढ़ती दखलअंदाजी, करों के भारी बोझ और किसानों के शोषण ने राजा हिरदेशाह को विद्रोह के लिए प्रेरित किया।

लीबिया में भारतीय कंपनियों को तेल और गैस का नया भंडार मिला : पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट के जरिए जानकारी दी है कि लीबिया में भारतीय कंपनियों को तेल और गैस का नया भंडार मिला है। मंत्रालय के अनुसार, यह खोज लीबिया के गदामेस बेसिन में कॉन्ट्रैक्ट एरिया 95/96 में की गई है। इस प्रोजेक्ट में ऑयल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारतीय कंसोर्टियम पार्टनर हैं, जबकि अल्जीरिया की कंपनी सिपेक्स (एसआईपीईएक्स) इस प्रोजेक्ट की ऑपरेटर है। बताया गया है कि इस कुएं को 8,440 फीट की गहराई तक ड्रिल किया गया। परीक्षण के दौरान यहां से हर दिन 13 मिलियन क्यूबिक फीट गैस और 327 बैरल कंडेनसेट (तेल जैसा तरल) का उत्पादन हासिल हुआ। यह उत्पादन अविनात वानिन और अविन काजा फॉर्मेशन से मिला है।

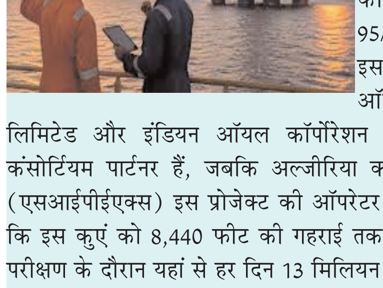

मंत्रालय ने इस उपलब्धि को भारतीय ऊर्जा कंपनियों के बढ़ते वैश्विक विस्तार का मजबूत उदाहरण बताया है। साथ ही कहा गया कि यह खोज रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के महत्व को भी दिखाती है। भारत लगातार विदेशों में ऊर्जा संपत्तियों में निवेश कर अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है और यह सफलता उसी प्रयास का हिस्सा है।

ओडिशा में बैंककर्मी मांग रहे थे मृत्यु प्रमाणपत्र, बहन का शव कब्र से खोदकर बैंक पहुंचा व्यक्ति

क्योंझर(आरएनएस)। ओडिशा के क्योंझर जिले से एक झकझोरने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति एक कंकाल को अपने कंधे पर लादकर जाते दिख रहा है। घटना पटना ब्लॉक के मल्लीपासि इलाके की है। व्यक्ति की पहचान आदिवासी जीतू मुंडा (50) के तौर पर हुई है। वह कंधे पर अपनी बहन कालरा मुंडा (56) का कंकाल लादे था। वह कंकाल को ओडिशा ग्रामीण बैंक ले जा रहा था, ताकि बैंककर्मी उसे उसकी बड़ी बहन के खाते से पैसे दे सकें।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कालरा का 26 जनवरी, 2026 को निधन हो गया था। इसके बाद उसके भाई जीतू मुंडा ने उसे डियानाली गांव में दफनाया था। बड़ी बहन की मौत के बाद जीतू को उसके खाते से 19,300 रुपये निकालने थे, जिसके लिए वह ओडिशा ग्रामीण बैंक के चक्कर काट रहा था। बैंककर्मी उससे मृतक बहन का मृत्यु प्रमाणपत्र मांग रहे थे और खाताधारक की व्यक्तिगत उपस्थिति जरूरी बता रहे थे। इसी से नाराज होकर जीतू ने यह कदम उठाया।

जीतू ने बताया कि उनकी बहन का कोई वारिस नहीं था। बहन ने रुपये पशुओं को बेचकर कमाया था और खाते में रखे थे। कालरा ने जिसका नाम वारिस में डलवाया था, उनकी भी मृत्यु हो चुकी है। ऐसे में जीतू ही उनके एकमात्र वारिस हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जीतू अनपढ़ आदिवासी है, इसलिए उसे वारिस की जानकारी नहीं है। स्थानीय प्रशासन ने संबंधित बैंक को जीतू की मदद के निर्देश दिए हैं।

बैंक में कंकाल लाने वाले जीतू ने बताया, मैं कई बार बैंक गया, और वहां के लोगों ने मुझसे कहा कि खाताधारक को लेकर आओ, तभी उसका जमा धन निकाल सकता है। मैंने उनको बताया कि उसकी मृत्यु हो चुकी है, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी। वे उसे बैंक लाने पर अड़े हुए थे। इसलिए, हताशा होकर मैंने कब्र खोदी और मृत्यु के प्रमाण के रूप में उसका कंकाल निकालकर यहां ले आया।

डियेगो स्कॉटलैंड केस को निरस्त करने की कार्ति चिदंबरम की मांग पर सुनवाई से जज हटीं

नई दिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली हाईकोर्ट की जज जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम की भ्रष्टाचार के एक नये मामले में दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है. इस मामले पर अब वो बेंच सुनवाई करेगी जिसकी सदस्य जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा नहीं होंगी. मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होगी.जैसे ही इस मामले को सुनवाई के लिए पुकारा गया कोर्ट ने कहा कि इसी मामले में एडवांटेज स्ट्रेटेजिक कंसल्टिंग प्राईवेट लिमिटेड ने भी याचिका दायर की है जिस पर दूसरी बेंच सुनवाई कर रही है. बता दें कि कार्ति चिदंबरम के खिलाफ दर्ज एफआईआर के मुताबिक शराब निर्माता कंपनी डियेगो स्कॉटलैंड एंड सिक्वोइया कैपिटल्स ने एडवांटेज स्ट्रेटेजिक कंसल्टिंग प्राईवेट लिमिटेड को संदिग्ध रुप से फंड का ट्रांसफर करने का आरोप है।

इस मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कार्ति चिदंबरम को राहत देते हुए सीबीआई को निर्देश दिया था कि वो कार्ति चिदंबरम को गिरफ्तार करने से तीन दिन पहले नोटिस देगी. कार्ति चिदंबरम के खिलाफ दर्ज एफआईआर के मुताबिक शराब निर्माता कंपनी डियेगो स्कॉटलैंड एंड सिक्वोइया कैपिटल्स ने एडवांटेज स्ट्रेटेजिक कंसल्टिंग प्राईवेट लिमिटेड को संदिग्ध रुप से फंड का ट्रांसफर किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विधानसभा में प्रस्तुत नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने के संकल्प के लिए मंत्रि-परिषद की बैठक में महिला मंत्रियों ने अभिनंदन किया।

महिला आरक्षण पर विशेष सत्र में हंगामा, विपक्ष का वॉकआउट

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र में महिला आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रस्तुत संकल्प प्रस्ताव पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने प्वाइंट ऑफ ऑर्डर के माध्यम से अपनी-अपनी दलीलें रखीं। मप्र विधानसभा में सोमवार को आहुत किए गए विशेष सत्र में विपक्ष ने मांग रखी कि उनके प्रस्ताव को भी शामिल किया जाए और वर्तमान परिस्थितियों में महिलाओं को तत्काल 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाए। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सरकार द्वारा प्रस्तुत संकल्प प्रस्ताव को चर्चा के लिए स्वीकार कर लिया, जिसके बाद विपक्ष ने विरोध स्वरूप सदन से वॉकआउट कर दिया।

ओरछा में होगी भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक, मई में जुटेंगे दिग्गज नेता

भोपाल, (ए.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आगामी मई माह में ऐतिहासिक नगरी ओरछा में आयोजित की जाएगी। यह घोषणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मंगलवार को भोपाल स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 की बैठक के दौरान की।यह बैठक हेमंत खंडेलवाल के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली कार्यसमिति बैठक होगी, जिससे संगठनात्मक दृष्टि से इसके खासे मायने निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में आगामी रणनीतियों, संगठन विस्तार और राजनीतिक गतिविधियों की दिशा तय की जाएगी। हालांकि, अभी तक प्रदेश कार्यसमिति के सदस्यों की सूची जारी नहीं हुई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, एक-दो दिन के भीतर नामों की घोषणा की जा सकती है, जिससे बैठक की तैयारियां और तेज हो जाएंगी।बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश महामंत्री सुमेर सिंह सोलंकी, प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विजय दुबे और प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद रहे। इसके अलावा प्रदेश पदाधिकारी, संभाग एवं जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष और प्रशिक्षण महाअभियान से जुड़े कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक के दौरान पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत संगठन को और मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं के कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया। जिला स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण वर्गों की रूपरेखा और कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

शराब सिंडिकेट की मनमानी पर लगाम

शराब दुकानों पर क्यूआर कोड का डिजिटल पहरा
10 दिन तक आबकारी विभाग का विशेष सर्च ऑपरेशन

भोपाल (निप्र)। प्रदेश की मदिरा दुकानों पर हो रही मनमानी वसूली और नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए अब तकनीक और सख्ती करने का निर्णय लिया है। विभाग के संज्ञान में आया है कि कई जिलों में शराब की दुकानों पर न केवल अधिकतम विक्रय मूल्य एमआरपी से अधिक दाम वसूले जा रहे हैं, बल्कि प्रतिस्पर्धा के चलते न्यूनतम विक्रय मूल्य एमएसपी से कम पर भी मदिरा बेची जा रही है। इस गंभीर अनियमितता को विभागीय निर्देशों की खुली अवहेलना मानते हुए आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने अब हर मदिरा दुकान पर क्यूआर कोड चस्पा करना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को सशक्त बनाएगी, जिससे वे मौके पर ही अपने स्मार्टफोन से स्कैन कर ब्रांड की वास्तविक और कानूनी दरों का सत्यापन कर सकेंगे। अब हर मदिरा दुकान पर ई-आबकारी पोर्टल द्वारा जनरेटेड क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य है। इसे स्कैन करते ही उपभोक्ता के मोबाइल पर संबंधित जिले की रेट लिस्ट खुल जाएगी। कोई दुकान संचालक यदि निर्धारित एमएसपी से कम या एमआरपी से ज्यादा पर बिक्री करता है, तो मध्यप्रदेश राजपत्र की कंडिका 21.2 एवं 21.3 के तहत उसके विरुद्ध लाइसेंस निरस्तीकरण जैसी कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। उपभोक्ता अब सीधे मौके पर ही रेट का मिलान कर सकेंगे।

मप्र में अब तक 19.31 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन, 2,547 करोड़ रुपये का हुआ भुगतान

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले किया संबोधित

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में अब तक कुल 9.49 लाख स्लॉट बुक हुए हैं, जिनमें 4.49 लाख किसानों ने अपनी फसल बेची है। अब तक प्रदेश में कुल 19.31 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हो चुका है, जिसके लिए दो हजार 547 करोड़ रुपये की राशि भुगतान की जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन किया गया। मध्यम और बड़े किसानों को स्लॉट बुकिंग की सुविधा दी गई। इस श्रेणी के 1 लाख 60 हजार 261 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। स्लॉट बुकिंग की अवधि 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई तक की गई है।उन्होंने कहा कि प्रत्येक शनिवार के अवकाश दिवस में भी स्लॉट बुकिंग और उपार्जन जारी रहेगा। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 प्रति केन्द्र की गई है। किसान को तहसील के स्थान पर जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय करने की सुविधा दी गई। किसानों को राहत देते हुए एफए क्यू मापदण्ड को शिथिल करते हुए चमकविहीन गेहूं की सीमा 50 प्रतिशत तक, सूकड़े दाने की सीमा 06 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक और क्षतिग्रस्त दानों की सीमा बढ़ाकर 06 प्रतिशत तक की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का 27 अप्रैल को विधानसभा में प्रस्तुत नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने के संकल्प के लिए मंत्रि-परिषद की महिला सदस्यों ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अभिनंदन किया।

जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक, धार्मिक, स्वयंसेवी संस्थाएं जल संरक्षण में करें सहयोग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि 19 मार्च से प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलेगा। सभी जिलों में कई गतिविधियां और नवाचार हो रहें है। इसी अभियान के मध्य 25 मई को गंगा दशहरा है। इस दिन पूरे प्रदेश में एक साथ जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां वृहद स्तर पर आयोजित की जायें। अधिक से अधिक व्यक्ति अपने आस-पास की जल संरचनाओं की बेहतरी के लिए श्रमदान करें। जन-जन को जल संरचनाओं के संरक्षण से जोड़ा जाए। उन्होंने निर्देशित किया अभियान नगरीय एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एक साथ गतिविधियां आयोजित की जायें।

महिला बाल विकास विभागों के नवाचारों की सराहना

केन्द्रीय अतिरिक्त सचिव श्रीमती केरोलिन खोंगवार ने की समीक्षा, किया आंगनवाड़ी, वन स्टाप सेंटर का दौरा

भोपाल,(ए.)।केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास की अतिरिक्त सचिव श्रीमती कैरोलिन खोंगवार देशमुख ने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ लाभार्थियों तक सेवाओं की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करना प्रशासनिक तंत्र की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

मंगलवार को भोपाल प्रवास के दौरान उन्होंने यह बात महिला एवं बाल विकास संचालनालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कही, जहाँ उन्होंने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं पोषण 2.0, मिशन शक्ति और मिशन वात्सल्य की प्रगति का विश्लेषण किया। श्रीमती खोंगवार ने विभागीय नवाचारों की सराहना करते हुए निर्देश दिए कि सेवाओं के वितरण में पारदर्शिता और गतिशीलता को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। श्रीमती देशमुख ने मैदानी स्तर पर व्यवस्थाओं को परखने के लिए भोपाल जिले के विभिन्न केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने ईंटखेड़ी परियोजना के जेपी नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन किया, जहाँ बच्चों के साथ सीधा संवाद कर उनकी शिक्षा और पोषण के स्तर को समझा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 160 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल (निप्र)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 160 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर एडीएम सुमित पांडे, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

किसानों के समर्थन में कांग्रेस का बड़ा ऐलान, 7 मई को महाराष्ट्र से राजस्थान बॉर्डर तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर महाचक्का जाम

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को बुधनी में आयोजित किसान आक्रोश सत्याग्रह में केंद्र और राज्य सरकार पर किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश से ही देश के केन्द्रीय कृषि मंत्री आते हैं, इसके बावजूद प्रदेश के किसानों को सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जीतू पटवारी ने कहा कि किसानों को खाद की कमी, समर्थन मूल्य पर खरीदी में अव्यवस्था, बारदाने की किल्लत, स्लॉट बुकिंग में गड़बड़ी और भूमाफियाओं द्वारा जमीन कब्जाने जैसी गंभीर समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक ओर किसान कल्याण वर्ष के नाम पर प्रचार कर रही है, वहीं दूसरी ओर किसान कर्ज में डूबा हुआ है और अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने मोहन यादव सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि गेहूं पर 2700 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य देने का वादा किया गया था, लेकिन किसानों से 1800 से 2200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी हो रही है। यह किसानों के परिश्रम के साथ अन्याय है।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दिव्यांगजनों को निशुल्क मोटराइज्ड साइकिल वितरित की।

पुलिस पहरे के बीच बाइकर्स गैंग ने पिपलानी में दो मोबाइल लूटे

, भोपाल। राजधानी में पुलिस की नाकेबंदी, सघन पेट्रोलिंग और सुरक्षा के तमाम दावों के बावजूद शहर में लूट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला पिपलानी थाना क्षेत्र का है, जहां बेखौफ बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस की मुस्तैदी को धता बताते हुए महज कुछ ही घंटों के अंतराल में दो अलग-अलग लूट की वारदातों को अंजाम दिया।हैरानी की बात यह है कि लोधी समाज के सम्मेलन के मद्देनजर क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से भारी पुलिस बल तैनात है, फिर भी बदमाश बड़ी आसानी से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। दोपहर में सुनील साहू से छीना मोबाइलपिपलानी पुलिस के अनुसार, सोमवार दोपहर लूट की पहली घटना घटी। 29 वर्षीय सुनील साहू, जो निजी कार्य करते हैं, दोपहर के समय किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया।

सम्मान से मिलता है प्रोत्साहन : मंत्री श्री सारंग

नरेला में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान; मंत्री सारंग ने बढ़ाया उत्साह

भोपाल (निप्र)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं और उनका सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। उत्कृष्ट विद्यार्थी के सम्मान से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है। जिससे और बेहतर कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उन्नयन हो रहा है। मंत्री श्री सारंग नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 70 स्थित बिजली नगर कॉलोनी के शासकीय माध्यमिक शाला, बिजली नगर में मेधावी विद्यार्थी सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

शिक्षा के क्षेत्र में हो रहा लगातार विकास

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि स्कूल और कॉलेज में पढ़ने वाला हर विद्यार्थी एक अच्छा और सच्चा नागरिक बने। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में स्कूली शिक्षा लगातार उन्नत हो रही है, जिसका परिणाम है कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण हो रहे हैं।

नरेला में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल

मंत्री श्री सारंग ने नरेला विधानसभा में किए गए शैक्षणिक विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि नरेला विधानसभा में 2 संदीपनी विद्यालय निर्माणाधीन हैं, जो आधुनिक शिक्षा के नए केंद्र बनेंगे। क्षेत्र में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े, इसके लिए नरेला में कॉलेज निर्माण कराया गया है। नरेला विधानसभा में स्कूलों का व्यापक उन्नयन किया गया है। स्मार्ट क्लास जैसी आधुनिक सुविधाएं सबसे पहले नरेला में प्रारंभ की गईं, जिससे डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला।

शिक्षा में नवाचार - देश में पहली पहल

मंत्री श्री सारंग ने अपने चिकित्सा शिक्षा मंत्री कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई शुरू कराने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया, जो देश में पहली बार हुआ। नॉलेज शेयरिंग मिशन की शुरुआत कर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दिया गया। उन्होंने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य शिक्षा को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाना है।

हजारों विद्यार्थियों का किया जा रहा सम्मान

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि क्षेत्र में हजारों की संख्या में विद्यार्थियों को सम्मानित करने का अभियान शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया जा रहा है। यह आयोजन केवल सम्मान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ी को भी प्रेरित करना है।

नई पीढ़ी को प्रेरित करने का प्रयास

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह कार्यक्रम इसलिए आयोजित किया जा रहा है जिससे मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहित हों और उन्हें देखकर अन्य बच्चे भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और देश एवं समाज के विकास में अपना योगदान दें।

अब उच्चदाब उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन ई-स्टाम्प और अनुबंध की सुविधा उपलब्ध

भोपाल (ए.)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग में आने वाले 16 जिलों के उच्चदाब उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल और डिजिटल बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। कंपनी ने अब उच्चदाब नवीन संयोजन के प्रकरणों में अनुबंध निष्पादन के लिए अपने पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ई-स्टाम्प (E-Stamp) प्रक्रिया लागू कर दी है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने कहा है कि कंपनी द्वारा शुरू की गई इस नई व्यवस्था के तहत, कंपनी के एचटी संयोजन पोर्टल को सीधे पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग (IGRS) के संपदा 2.0 पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है। कंपनी ने पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग (IGRS) से विधिवत लाइसेंस प्राप्त कर यह सुविधा शुरू की है, जिससे ई-स्टाम्प जनरेशन और ई-हस्ताक्षर (E-Sign) की पूरी प्रक्रिया अब ऑनलाइन और सुलभ हो गई है।

कार्यालय जाने की जरूरत नहीं, घर बैठे होगा अनुबंध

उच्चदाब उपभोक्ताओं को अब नवीन संयोजन के लिए ई-स्टाम्प या अनुबंध के लिए किसी सरकारी दफ्तर या बिजली कंपनी के कार्यालय में आने की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता अपने मोबाइल या ईमेल पर प्राप्त एसएमएस/लिंक के माध्यम से आधार (Aadhaar) आधारित ई-साइन या डिजिटल सिग्नेचर का उपयोग कर सीधे संबंधित वृत्त के महाप्रबंधक के साथ अनुबंध निष्पादित कर सकेंगे। नये उच्चदाब कनेक्शन के लिए आवेदक दिए गये लिंक https://htsanyojan.mpcz.in/applicantLogin पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि कंपनी अपने उपभोक्ताओं को त्वरित और आधुनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। यह नई ऑनलाइन अनुबंध व्यवस्था उसी कड़ी का एक हिस्सा है, जिससे उद्योगों और बड़े उपभोक्ताओं के लिए घर बैठे बिजली कनेक्शन लेना अब बेहद आसान हो गया है।

उद्योग की मांग के अनुसार ट्रेड्स का प्रशिक्षण देकर प्लेसमेंट कराना सुनिश्चित करें मंत्री श्री टेटवाल

भोपाल (ए.)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने 'आईटीआई चले हम' प्रवेश 2026 अभियान का शुभारंभ करते हुए प्रदेशभर में कौशल आधारित शिक्षा को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। मंत्री श्री टेटवाल ने इस अवसर पर आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न जिलों के आईटीआई संस्थानों की प्रगति, प्रशिक्षण व्यवस्था, प्लेसमेंट और विद्यार्थियों की सहभागिता का समग्र मूल्यांकन किया। मंत्री श्री टेटवाल ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल प्रवेश प्रक्रिया नहीं, बल्कि युवाओं को कौशल, आत्मनिर्भरता और रोजगार से जोड़ने का

जनसुनवाई में फूटा भर्ती घोटाला : मेरिट वाली का नाम काटकर दूसरी को देने की तैयारी, कलेक्टर ने मौके पर पकड़ा खेल, बाबू सस्पेंड

गुना (ए.)। मंगलवार की जनसुनवाई में आंगनवाड़ी भर्ती से जुड़ा एक बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हो गया। मेरिट में चयनित महिलाओं की जगह फाइलों में नाम बदलकर दूसरी अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की कोशिश की जा रही थी। मामला सामने आते ही कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने तत्काल जांच कराई, मौके पर ही गड़बड़ी पकड़ी और संबंधित बाबू को निलंबित कर दिया। साथ ही पीड़ित महिला को वहीं नियुक्ति पत्र सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार राघौगढ़ परियोजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र नांदनेर तरी में सहायिका पद पर पूजा कुशवाह तथा मधुसूदनगढ़ के तिलक चौक वार्ड क्रमांक-4 में रानी सेन का चयन मेरिट के आधार पर हुआ था। लेकिन सहायक ग्रेड-03 विजय कुमार मेहरा द्वारा नस्ती में हेरफेर करते हुए पूजा कुशवाह की जगह पूनम कुशवाह और रानी सेन की जगह रजनी सेन का नाम डालकर अनुमोदन के लिए फाइल आगे बढ़ा दी गई।

मामला तब खुला जब चयनित अभ्यर्थी रानी सेन जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि चयन होने के बावजूद उन्हें दो महीने तक नियुक्ति पत्र नहीं मिला। जब दस्तावेज सत्यापन के दौरान जानकारी ली तो पता चला कि अन्य लोगों को लेटर मिल चुके हैं, जबकि उनका रोका गया है। इस दौरान एक व्यक्ति ने उनसे पैसे मांगकर नियुक्ति दिलाने की बात भी कही। कलेक्टर ने मौके पर ही जांच कराई तो पूरा फर्जीवाड़ा सामने आ गया। कलेक्टर किशोर कन्याल ने बताया कि यह गड़बड़ी सुनियोजित तरीके से की गई थी, जिसमें जानबूझकर नाम बदले गए। उन्होंने तुरंत सही अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र जारी किया और दोषी बाबू को निलंबित कर दिया। साथ ही मामले में पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने की भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। तकनीकी रूप से यह भर्ती पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया से होती है, जिसमें दस्तावेज अपलोड और मेरिट के आधार पर चयन होता है। इसके बावजूद फाइल स्तर पर हेरफेर कर सिस्टम को प्रभावित करने की कोशिश की गई। उल्लेखनीय है कि संबंधित कर्मचारी द्वारा सीपीसीटी प्रमाण पत्र भी निर्धारित समय में प्रस्तुत नहीं किया गया था, जिसे भी गंभीर लापरवाही मानते हुए कार्रवाई की गई। इस पूरे मामले ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं, हालांकि प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को तत्काल न्याय मिल गया।

ब्यावरा के बरखेड़ा मामेरा लेकर जा रही पिकअप की ट्रक से भिड़ंत

2 महिला की मौत - 21 लोग घायल, 16 शाजापुर रेफर

राजगढ़ (ए.)। जिले के पचोर में बीती रात ट्रक और पिकअप वाहन की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो महिला की मौत और 21 लोग घायल हो गए। घायलों में यादव परिवार के सदस्य शामिल हैं, जो खुजनेर के मवासा गांव से ब्यावरा के बरखेड़ा मामेरा लेकर जा रहे थे। टक्कर पचोर की ओर से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने मारी। बीती रात करीब 9:30 बजे पचोर पहुंचने से पहले पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास हुई। हादसे में पिकअप में सवार यादव परिवार के 20 सदस्य और ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पचोर पुलिस और स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को तुरंत पचोर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया।

शाजापुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दो महिलाओं की मौत हो गई। मृतकों की पहचान भगवती बाई पति चंद्र सिंह निवासी मवासा और अवंती बाई पति गोपाल निवासी मवासा,जिला राजगढ़ के रूप में हुई है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में रखा गया है,जिनका आज मंगलवार को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा जाएगा। सिविल अस्पताल में डॉ. विजया गौतम, डॉ. इंसाफ अंसारी, डॉ. मनीष यादव, डॉ. राहुल सिसोदिया, डॉ. हरीश विश्वकर्मा और अन्य स्टाफ ने तुरंत प्राथमिक इलाज शुरू किया। गंभीर रूप से घायल 16 लोगों को शाजापुर रेफर किया गया, जबकि पिकअप चालक देवीसिंह यादव को सीने और दाएं पैर में फ्रैक्चर के कारण भोपाल भेजा गया। ट्रक चालक का इलाज पुलिस अभिरक्षा में एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही सांसद रोडमल नागर, एसडीएम रोहित बम्होरे, एसडीओपी अरविंद सिंह, तहसीलदार और टीआई भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कीद्य - घायलों में ये है शामिलघायलों में कलाबाई पति होकमसिंह, लक्ष्मीनारायण यादव, होकमसिंह पिता गंगाराम, राजेश पिता मांगीलाल, कलाबाई पति देवनारायण, रामरतन पिता गोपाल (जिन्हें सीने में चोट लगी), कलाबाई पति गोपाल यादव, प्रेमसिंह यादव, नानकराम पिता नाथूलाल, भगवती पति प्रेमसिंह, देवसिंह पिता भावसिंह, सुरेश पिता मांगीलाल, कोमलबाई पति प्रभुलाल, अवंताबाई पति गोपाल, राधा पति नवीन यादव, योगेश पिता हेमराज यादव, मंजू पति अजयसिंह, पवन पिता प्रेमसिंह, भगवत पिता चंदरसिंह, धीरपसिंह पिता भंवरलाल, सोरमबाई पति गोपाल, प्रेमनारायण पिता रतनलाल और संजूबाई पति दिनेश यादव शामिल हैं।

गेहूं खरीदी अव्यवस्थाओं के खिलाफ किसानों ने निकाली ट्रैक्टर रैली, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

राजगढ़(ए.)। जिले के नरसिंहगढ़ क्षेत्र में गेहूं खरीदी व्यवस्था में आ रही समस्याओं को लेकर किसानों का आक्रोश सामने आया। मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में "किसान न्याय

यात्रा" के तहत सैकड़ों किसानों ने विशाल ट्रैक्टर रैली निकालकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। किसान नेता ज्ञानसिंह मीना के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान अपने-अपने ट्रैक्टर लेकर शामिल हुए.रैली की शुरुआत मारुतिनंदन मंदिर के पास से हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची। यहां किसानों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराया। किसानों ने आरोप लगाया कि गेहूं खरीदी केंद्रों पर पंजीयन में लगातार दिक्कतें आ रही हैं। बार-बार सर्वर डाउन होने और प्रशासनिक उदासीनता के कारण उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। समय पर फसल की खरीदी और भुगतान न होने से किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के बाद किसानों ने एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

विकास कार्यों की डीपीआर सटीक व व्यवहारिक बनाएं, बार-बार संशोधन की जरूरत न पड़े : सांसद भारत सिंह कुशवाह

दिशा की बैठक में बड़ी-बड़ी विकास परियोजनाओं की हुई समीक्षा

ग्वालियर(ए.)। विकास कार्यों की डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तकनीकी शुद्धता और बारीकी के साथ तैयार की जाए, ताकि बार-बार संशोधन की स्थिति न बने। उन्होंने स्पष्ट कहा कि डीपीआर में त्रुटियों के कारण परियोजनाओं की लागत और डिजाइन में बदलाव करना पड़ता है, जिससे कार्यों में अनावश्यक देरी होती है। इसलिये पहले से ही पूरी गंभीरता के साथ डीपीआर तैयार करें। इस आशय के निर्देश सांसद भारत सिंह कुशवाह ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने ग्वालियर शहर के विकास में बड़े आयाम के रूप में जुड़ने जा रहे विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण करने पर विशेष बल दिया। सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में आयोजित हुई दिशा की बैठक में सांसद श्री कुशवाह ने कहा कि मैदानी स्तर पर विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं का विभागीय समन्वय बनाकर तत्परता से निराकरण करें। साथ ही निर्माण कार्यों की मॉनीटरिंग भी बारीकी से हो। उन्होंने अगली बैठक में हर बड़े विकास कार्य की तुलनात्मक भौतिक व वित्तीय प्रगति प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। साथ ही कार्यों के पूर्ण होने की समय-सीमा, गुणवत्ता नियंत्रण और जवाबदेही तय करने पर भी बल दिया। बैठक में एलीवेटेड रोड, ठाठीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना, चंबल पेयजल प्रोजेक्ट, रेलवे स्टेशन उन्नयनीकरण, वेस्टर्न बायपास, ग्रीन फील्ड आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे, राज्य सड़क विकास प्राधिकरण, एनएचएआई व लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कें व अन्य विकास कार्य, पर्यटन विकास निगम द्वारा स्वीकृत कार्य, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ग्रीष्म ऋतु के दौरान पेयजल व्यवस्था इत्यादि सहित अन्य विकास परियोजनाओं की समीक्षा की गई।

निवाड़ी में खड़े ट्रॉले से टकराकर डंपर में लगी आग, चालक-क्लीनर की जिंदा जलकर मौत, केबिन काटकर निकाले गए शव

निवाड़ी,(ए.)। मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने दो परिवारों की दुनिया उजाड़ दी। बड़े तालाब के पास रात करीब 12:30 बजे तेज रफ्तार डंपर सड़क

किनारे खड़े ट्रॉले से टकरा गया। टक्कर के बाद डंपर के केबिन में भीषण आग लग गई, जिसमें चालक और क्लीनर फंस गए और उनकी जिंदा जलकर मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुछ ही पलों में डंपर आग की लपटों में घिर गया। केबिन में फंसे दोनों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। सूचना पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बाद में क्रेन की मदद से जले हुए केबिन को काटकर शवों को बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार, दोनों करीब एक घंटे तक अंदर फंसे रहे। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय राजा अहिरवार और गोपाल अहिरवार के रूप में हुई है।

जेठ ने बहू पर चाकू से किया हमला

जबलपुर (ए.)। पनागर थाना क्षेत्र में गत रात शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर एक जेठ ने अपनी बहू के साथ गालीगलौज कर चाकू से हमला कर दिया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पनागर निवासी 30 वर्षीय श्रीमति आकांक्षा केवट के घर गत रात लगभग 9.30 बजे जेठ संजू केवट आया और शराब पीने के लिए 500 रुपए की मांग करने लगा, मना करने पर गालीगलौज कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी जेठ के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 119(1), 351(2), बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

व्यापार समाचार

मेटा में 14 हजार कर्मचारियों की छुट्टी तय, खर्च नहीं एआई बनी वजह; जकरबर्ग का बड़ा दांव

सैन फ्रांसिस्को (आरएनएस)। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसी लोकप्रिय सेवाएं चलाने वाली दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी मेटा एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी करने जा रही है। हैरानी की बात यह है कि इस बार कंपनी नुकसान में नहीं है और न ही सिर्फ खर्च कम करने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेटा अपने कुल कर्मचारियों में से करीब 10 प्रतिशत यानी लगभग 8,000 लोगों को नौकरी से निकालने वाली है। इसके अलावा 6,000 नई नौकरियों को भरने का प्लान भी रोक दिया गया है। कुल मिलाकर 14 हजार नौकरियों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब मेटा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर भारी निवेश कर रही है और अपने पूरे बिजनेस मॉडल को बदल रही है।

इंसानों की जगह ले रहा है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

मेटा के अंदर हो रहे इन बड़े बदलावों से साफ पता चलता है कि एआई अब सिर्फ एक तकनीक नहीं रह गया है, बल्कि यह काम करने के पूरे तरीके को ही बदल रहा है। कंपनी ऐसे एडवांस सिस्टम विकसित कर रही है जो इंसानों के कई काम खुद कर सकते हैं। कोडिंग, कंटेंट क्रिएशन और डेटा एनालिसिस जैसे जटिल काम अब एआई टूल्स तेजी से कर रहे हैं। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भी हाल ही में यह मान चुके हैं कि उनकी कंपनी में 70 प्रतिशत तक कोडिंग एआई खुद कर रहा है। ऐसे में कोडर्स और सामान्य कर्मचारियों की नौकरियों पर तलवार लटकना लाजमी है और कइयों की छंटनी हो भी चुकी है।

भविष्य की नौकरियों पर भी लगा ब्रेक

रिपोर्ट्स के अनुसार, छंटनी के साथ-साथ मेटा 6,000 नई नौकरियों के रोल्स को भी फ्रीज कर रही है। इसका सीधा मतलब यह है कि कंपनी मौजूदा कर्मचारियों को तो निकाल ही रही है, बल्कि भविष्य में आने वाली नौकरियों के दरवाजे भी बंद कर रही है। मार्क जुकरबर्ग स्पष्ट कर चुके हैं कि आने वाले समय में एआई कई काम खुद करने में सक्षम होगा। कंपनी अब ज्यादा इंसानों को काम पर रखने के बजाय ज्यादा मशीनों और एआई सिस्टम्स पर भारी भरोसा जता रही है।

पूरी टेक इंडस्ट्री में मंडरा रहा एआई का खौफ

यह संकट सिर्फ मेटा तक सीमित नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और ओरेकल जैसी दूसरी दिग्गज टेक कंपनियां भी इसी राह पर चल पड़ी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2026 की शुरुआत में ही टेक इंडस्ट्री में हजारों नौकरियां खत्म हो गई हैं और इनमें से करीब 25 प्रतिशत मामलों में एआई एक बहुत बड़ा कारण रहा है। एक अनुमान के अनुसार, इस साल दुनिया भर में टेक कंपनियों ने एआई की वजह से 70 हजार से ज्यादा लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया है।

अब AADHAAR कार्ड से नहीं होगी जन्मतिथि की पहचान, उम्र के सबूत के तौर पर मान्य होंगे सिर्फ ये डॉक्यूमेंट

नई दिल्ली (आरएनएस)। अगर आप भी हर छोटे-बड़े काम के लिए जेब से अपना आधार कार्ड निकालकर दे देते हैं और इसे अपनी जन्मतिथि (Date of Birth) का पक्का सबूत मानते हैं, तो आपको सावधान होने की जरूरत है। यूआईडीएआई (UIDAI) ने एक बेहद अहम बयान जारी करते हुए साफ कर दिया है कि आधार कार्ड को किसी भी हाल में जन्मतिथि के आधिकारिक और पक्के प्रमाण के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। यूआईडीएआई ने स्पष्ट किया है कि यह कार्ड सिर्फ आपकी पहचान (Identity) और पते (Address) का प्रमाण है, न कि आपकी उम्र का।

हर जगह आधार कार्ड लगाने वाले हो जाएं सतर्क

देश भर में लंबे समय से लोग बैंकिंग से लेकर स्कूल में बच्चों के एडमिशन और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तक, हर जगह जन्मतिथि के सबूत के तौर पर बेझिझक आधार कार्ड का इस्तेमाल करते आ रहे हैं। इस ताजा अपडेट के सामने आने के बाद कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर कार्ड पर जन्मतिथि छपी होने के बावजूद इसे वैध क्यों नहीं माना जा रहा है और अब इसके बिना काम कैसे चलेगा।

आखिर क्यों आधार को नहीं माना जाता उम्र का पक्का सबूत ?

यूआईडीएआई ने इस नियम के पीछे की सबसे बड़ी वजह स्पष्ट करते हुए बताया है कि आधार कार्ड बनवाते समय दर्ज की गई जन्मतिथि हमेशा पूरी तरह से वेरीफाइड (सत्यापित) नहीं होती। कई बार लोग बिना किसी पक्के सरकारी दस्तावेज के ही अपनी डेट ऑफ बर्थ डिक्लेयर कर देते हैं या सिर्फ अनुमान के आधार पर इसे दर्ज करवा लेते हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि आपके आधार में जो जन्मतिथि लिखी है, वह जरूरी नहीं कि सरकारी रिकॉर्ड के हिसाब से सौ फीसदी सही हो। यही वजह है कि सिर्फ यूआईडीएआई ही नहीं, बल्कि कई अदालतों और सरकारी विभागों ने भी यह पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि आधार को उम्र का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। अदालतों का भी यही मानना है कि जन्मतिथि साबित करने के लिए स्कूल सर्टिफिकेट या जन्म प्रमाण पत्र आधार से कहीं ज्यादा भरोसेमंद होते हैं।

तो फिर जन्मतिथि साबित करने के लिए कौन से दस्तावेज होंगे मान्य ?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर जन्मतिथि के लिए आधार नहीं चलेगा, तो फिर किन दस्तावेजों की जरूरत पड़ेगी। अगर आपको कहीं आधिकारिक रूप से अपनी उम्र या जन्मतिथि साबित करनी है, तो आपको कुछ चुनिंदा वैध दस्तावेजों का ही इस्तेमाल करना होगा। इसके लिए आप अपना आधिकारिक जन्म प्रमाण पत्र (Birth Certificate), 10वीं कक्षा की मार्कशीट (SSLC), पासपोर्ट या फिर किसी अधिकृत सरकारी अधिकारी द्वारा जारी किया गया जन्मतिथि प्रमाण पत्र दे सकते हैं। यूआईडीएआई के नियमों के तहत भी इन्हीं मजबूत दस्तावेजों के आधार पर ही आधार कार्ड में डेट ऑफ बर्थ को 'वेरीफाई' माना जाता है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि आप अपने सही जन्मतिथि प्रमाण पत्र तैयार रखें, वरना आगे चलकर आपके कई जरूरी काम बीच में ही अटक सकते हैं।

पहली बार मई की भीषण गर्मी में दौड़ेगी 'पैलेस ऑन व्हील्स', 18 लाख रुपये से अधिक है एक टिकट की कीमत

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान की शान और देश की सबसे लग्जरी ट्रेनों में शुमार 'पैलेस ऑन व्हील्स' एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। अपने 45 साल के लंबे इतिहास में पहली बार यह शाही ट्रेन मई महीने की चिलचिलाती गर्मी में पर्यटकों को सफर कराती नजर आएगी। आमतौर पर यह ट्रेन केवल सर्दियों और अनुकूल मौसम में ही संचालित की जाती रही है। बदलते वैश्विक हालातों और मध्य-पूर्व में तनाव के कारण विदेशी पर्यटकों की घटती संख्या को देखते हुए, राजस्थान के पर्यटन उद्योग को संजीवनी देने के लिए यह अनोखा और सकारात्मक प्रयोग किया जा रहा है।

एक बैंक ने बुक की पूरी शाही ट्रेन

एक राष्ट्रीयकृत बैंक ने अपने 84 विशेष सदस्यों को शाही सफर का अनुभव देने के लिए इस पूरी ट्रेन को बुक किया है। यह सफर 20 मई को देश की राजधानी दिल्ली से शुरू होगा और 21 मई की सुबह गुलाबी नगरी जयपुर पहुंचेगा। जयपुर स्टेशन पर इन खास मेहमानों के शानदार स्वागत के लिए भव्य तैयारियां की जा रही हैं।

PNB ग्राहकों की निकल पड़ी लॉटरी, इस धांसू स्कीम में 2 लाख रुपए जमा करने पर सीधे मिलेंगे 3 लाख; जानें पूरी कैलकुलेशन

नई दिल्ली (आरएनएस)। पिछले साल के मुकाबले भले ही इस साल फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) पर ब्याज दरें थोड़ी कम हुई हों, लेकिन ग्राहकों के लिए बिना जोखिम के शानदार कमाई के मौके अब भी पूरी तरह बरकरार हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा इस महीने की शुरुआत में हुई एमपीसी (MPC) की बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव न किए जाने के बाद, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंक पंजाब नेशनल बैंक (PNB) ने अपने ग्राहकों के लिए खजाना खोल दिया है। बैंक एफडी पर एक ऐसा शानदार ऑफर लेकर आया है, जिसमें गारंटी के साथ भारी-भरकम फिक्स ब्याज मिल रहा है।

444 दिनों की एफडी पर मिल रहा है 7.40 प्रतिशत का छप्परफाड़ ब्याज

पंजाब नेशनल बैंक अपने ग्राहकों की जरूरत और सहूलियत के हिसाब से महज 7 दिन से लेकर अधिकतम 10 साल तक की एफडी खुलवाने की शानदार सुविधा दे रहा है। बैंक की इन अलग-अलग अवधि वाली एफडी पर 3.00 प्रतिशत से लेकर 7.40 प्रतिशत तक का ब्याज ऑफर किया जा रहा है। सबसे ज्यादा फायदा उन ग्राहकों

को हो रहा है जो 444 दिनों वाली एफडी स्कीम में अपना पैसा लगा रहे हैं, क्योंकि बैंक इस विशेष अवधि के लिए सबसे अधिक 6.60 प्रतिशत से लेकर 7.40 प्रतिशत तक का बंपर ब्याज दे रहा है। इसके अलावा 5 से 10 साल तक की लंबी अवधि के निवेश पर भी 6.00 से 6.80 प्रतिशत का बढ़िया रिटर्न दिया जा रहा है।

2 लाख रुपये के निवेश पर ऐसे मिलेंगे 1 लाख रुपये के करीब सिर्फ ब्याज के

अगर आप बिना कोई रिस्क उठाए एकमुश्त बड़ी कमाई करना चाहते हैं, तो पीएनबी की 6 साल की एफडी स्कीम आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। मान लीजिए कि आप एक आम नागरिक के तौर पर इस स्कीम में 2 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मैच्योरिटी पूरी होने पर आपको कुल 2,85,901 रुपये मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि इस कुल रकम में 85,901 रुपये तो सिर्फ आपके फिक्स ब्याज के होंगे, जो आपकी शुद्ध कमाई है।

वरिष्ठ नागरिकों की मौज, बैंक दे रहा है शानदार फायदा

पीएनबी ने अपने वरिष्ठ और अति वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों का इस स्कीम में खास ख्याल रखा है और उन्हें सबसे ज्यादा फायदा दिया जा रहा है। अगर कोई वरिष्ठ या अति वरिष्ठ नागरिक 6 साल वाली इसी एफडी स्कीम में 2 लाख रुपये जमा करता है, तो उसे मैच्योरिटी पर कुल 2,99,732 रुपये की भारी-भरकम राशि मिलेगी। इसमें उन्हें फिक्स ब्याज के तौर पर पूरे 99,732 रुपये का सीधा फायदा होगा, जो लगभग 1 लाख रुपये के बराबर है। आपको बता दें कि बैंक 5 साल से लेकर 10 साल तक की लंबी अवधि वाले एफडी खातों पर वरिष्ठ और अति वरिष्ठ दोनों ही श्रेणी के नागरिकों को एक समान और शानदार ब्याज दरें ऑफर कर रहा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

चिंगारी पड़ते ही लपटें

सरकार ने उलझे हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उसने समस्या को महज कानून-व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी कामयाबी नहीं मिली है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं।

मणिपुर में हालात लगातार इतने सुलगे हुए हैं कि कोई भी चिंगारी पड़ते ही लपटें उठने लगती हैं। बिशुनपुर जिले में मंगलवार को बम फेंके जाने की घटना के बाद यही हुआ। बम एक आम परिवार के घर पर फेंका गया, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई। उसके बाद भड़की भीड़ ने जगह- जगह सुरक्षा ठिकानों सहित अन्य स्थलों को निशाना बनाया। उन पर हुई पुलिस कार्रवाई में दो और लोग मारे गए। पांच जिलों में कर्फ्यू लगाते हुए इंटरनेट बंद करना पड़ा। बम संभवत: कुकी उग्रवादियों ने फेंका, जिसका शिकार मैतेई परिवार बना। बाद में विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए दोनों व्यक्ति मैतेई समुदाय के ही हैं। इन घटनाओं ने फिर जाहिर किया है कि मणिपुर में हालात लगातार असामान्य बने हुए हैं। बल्कि मई 2023 में हिंसा शुरू होने के बाद से वहां मैतेई और कुकी समुदायों के बीच खाई लगातार चौड़ी होती गई है। इससे पूरे राज्य में अविश्वास का माहौल है। केंद्र और राज्य सरकारों ने उलझते गए हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उन्होंने समस्या को महज कानून- व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी प्रशासन कामयाब नहीं हुआ है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैँ। वैसे जहां अशांति की जड़ में दो समुदायों के बीच जारी तनाव हो, वहां कानून- व्यवस्था संबंधी उपायों से सामान्य स्थिति बहाल नहीं की जा सकती। इस मोर्चे पर सत्ताधारी दल या किसी अन्य राजनीतिक पक्ष ने जमीनी पहल नहीं की है। आवश्यकता दोनों में समुदायों के बीच संवाद बनाने और सद्भाव पैदा करने की है, ताकि उनमें एक- दूसरे के प्रति गहराते गए वैर भाव को दूर करने का रास्ता निकले। फिलहाल सूरत यह है कि कुकी संगठन अलग प्रदेश की मांग पर अड़े हुए हैँ। उन्हें नहीं लगता मैतेई बहुल मणिपुर में वे सुरक्षित रह पाएंगे। केंद्र ने मणिपुर में मुख्यमंत्री बदल कर नई सरकार में कुकी विधायकों को नुमाइंदगी देते हुए मसले का हल निकालने की कोशिश की। लेकिन उससे बात नहीं बनी है। अत: अब ऐसी जमीनी पहल की जरूरत है, जिसमें दोनों पक्षों का भरोसा और भागीदारी हो।

वॉशिंगटन हिल्टनः इतिहास की पुनरावृत्ति या अमेरिकी लोकतंत्र की कमजोरी?

– डॉ. प्रियंका सौरभ

वॉशिंगटन के प्रतिष्ठित वॉशिंगटन हिल्टन में शनिवार रात हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर चौंका दिया। यह केवल एक सुरक्षा संबंधी घटना नहीं थी, बल्कि एक ऐसा क्षण था जिसने इतिहास, राजनीति और लोकतंत्र—तीनों को एक साथ खड़ा कर दिया। जब व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, तो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए यह किसी भयावह स्वप्न से कम नहीं था। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया ट्रंप और जेडी वेंस जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे। कुछ ही पलों में उत्सव का माहौल भय और अराजकता में बदल गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तत्परता ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन इस घटना ने कई गहरे सवाल खड़े कर दिए, जिनका उत्तर सरल नहीं है।इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी-कभी हिंकली हिल्टन के नाम से भी जाना जाता है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी। उस हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा था। उस समय भी यही सवाल उठे थे—सुरक्षा में चूक कैसे हुई? और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं।घटना के दौरान मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक, भाषण, मीडिया और राजनीति का मिश्रण—यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर

रख दिया। लोग अपनी सुरक्षा के लिए टेबलों के नीचे छिपने लगे, अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी संकेत देती है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर, संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में वॉशिंगटन हिल्टन की यह घटना एक अलग-थलग घटना नहीं लगती, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा प्रतीत होती है।

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनकी अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसी नीतियों ने जहां एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर समाज के एक हिस्से में असंतोष और विरोध भी पैदा किया। मीडिया के साथ उनका टकराव, फेक न्यूज़ जैसे शब्दों का प्रयोग, और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तीखी भाषा—इन सबने सामाजिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। ऐसे में जब कोई हिंसक घटना घटित होती है, तो वह केवल एक व्यक्ति का कृत्य नहीं प्रतीत होती, बल्कि उस व्यापक सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का परिणाम लगती है जिसमें असहमति को अक्सर शत्रुता के रूप में देखा जाने लगा है।सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को विश्व की सबसे सक्षम सुरक्षा एजेंसियों में गिना जाता है। 1981 की घटना के बाद इसमें कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए—अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग, अधिक प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी, और उन्नत निगरानी प्रणाली। फिर भी इस प्रकार की घटना का होना यह दर्शाता है कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। आज के समय में खतरे केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं आते, बल्कि वे मानसिक अस्थिरता, ऑनलाइन कट्टरता और व्यक्तिगत निराशा जैसे कारकों से भी जुड़े होते हैं। इस घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है—डिजिटल युग और सोशल मीडिया की भूमिका। आज विचारों का प्रसार अत्यंत तेज गति से होता है। गलत जानकारी, षड्यंत्र सिद्धांत और कट्टरपंथी विचारधाराएं कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं। जहां 1981 में जॉन हिंकली जूनियर पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा हुई थी, वहीं आज के समय में हमलावरों पर डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक देखा जाता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है, क्योंकि अब खतरे की पहचान करना और उसे समय रहते रोकना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।वैश्विक स्तर पर भी इस घटना के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र माना जाता है, और वहां होने वाली घटनाएं अन्य देशों के लिए संकेत का काम करती हैं। भारत जैसे देशों के लिए, जहां बड़े पैमाने पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, यह एक चेतावनी है। केवल तकनीकी रूप से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ-साथ सामाजिक सौहार्द, संवाद और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है।इस घटना ने एक गहरा प्रश्न भी उठाया है—क्या लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित है? लोकतंत्र केवल चुनावों और संस्थाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है जिसमें असहमति को स्वीकार किया जाता है और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मतदाता इतनी बड़ी संख्या में क्यों निकल कर बाहर आए?

अजय दीक्षित

पश्चिम बंगाल में मतदाताओं ने भारतीय राजनीतिक इतिहास में पहली बार 92.55 फीसदी वोट करके रिकॉर्ड कायम कर दिया।इससे पहले 84.61 फीसदी मतदान का रिकॉर्ड था तब भी बंगाल में ही हुआ था। लेकिन राजनीति विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ा हुआ मतदान एस आई आर (मतदाता सूची के गहन परीक्षण) के कारण हुआ है क्योंकि बोगस मतदाता सूची से पृथक हो गया और बंगाल में 294 विधानसभा सीटों पर करीब नब्बे लाख मतदाता हटे इस कारण वोटिंग प्रतिशत पर घनात्मक परिवर्तन हुआ बताया जाता है कि बंगाल से बाहर गए लोग भी इस डर शत प्रतिशत वोट करने रेलगाड़ियों से आए कि उनका मतदाता सूची से नाम पृथक नहीं हो जाय और उनकी शासकीय योजनाओं में से नाम पृथक नहीं हो सकता है यहां तक कि उनका आधार कार्ड, पेन कार्ड, पासपोर्ट समाप्त न हो जाएगा। सही बात भी मीडिया, राजनीतिक नेता नहीं कह रहे हैं कि भला हो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिन्होंने एस आई आर कराया और बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में 2400 कंपनियों पैरा मिलिट्री फोर्स की मतदान केंद्र की सुरक्षा और निष्पक्ष मतदान के लिए लगाई जिन्होंने चुनावी हिंसा को रोका।इससे पहले बंगाल में रक्त रंजित ही चुनाव होते रहे थे।इसी सुरक्षा और एस आई आर के चलते रिकॉर्ड और शांति पूर्ण चुनाव हुआ है लेकिन असली बात कहने को कोई राजी नहीं है। वरना भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार शिवेंदु सरकार को तुड़मूल कांग्रेस के गुंडों ने क्या हाल किया ।

भारत-न्यूजीलैंड ने नए आर्थिक संघ की शुरुआत की : दोनों देशों के लोगों के लिए एक लाभकारी समझौता

आधुनिक आर्थिक इतिहास के अधिकाँश समय के लिए व्यापार का तर्क सरल था: तुलनात्मक लाभ। यह प्रणाली काम करती थी - जब तक कि यह समझौता नहीं हुआ था। हाल के वर्षों में, भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ, व्यापार समझौतों की संरचना का फिर से निर्माण किया जा रहा है। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के लिए, सवाल अब यह नहीं है कि एकीकृत होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि कितना गहराई से और कितनी तेजी से एकीकृत होना चाहिए। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है। देश ने पूर्व —इस बार भारत-प्रशांत क्षेत्र — की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। भारत ऐसे साझेदारों की तलाश में है, जो आर्थिक एकीकरण और अपने नागरिकों की समृद्धि के लिए इसके दृष्टिकोण को साझा करते हैं। न्यूजीलैंड के रूप में, भारत को बिल्कुल ऐसा ही देश मिला।

यह रिश्ता लंबे समय से बन रहा था और पहली नज़र में इसका विस्तार व्यापार से आगे तक है। लगभग 3,00,000 भारतीय मूल के लोग न्यूज़ीलैंड में रहते हैं, जो इसकी आबादी का लगभग 5 प्रतिशत हैं— ये एक ऐसे सेतु का निर्माण करते हैं, जो उतना ही सांस्कृतिक है, जितना कि आर्थिक। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्विपक्षीय वस्तु व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 1.3 बिलियन डॉलर पहुंच गया और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी — यह आंकड़ा तेज वृद्धि का संकेत देता है। सेवा व्यापार भी 13 प्रतिशत बढ़ गया है। दो क्रिकेट राष्ट्रों का एक साथ आना, न केवल रोमांचक है, बल्कि पहले से चल रही साझेदारी को भी रेखांकित करता है।

प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है। भारत पैमाने की पेशकश करता है: 1.4 अरब लोग, एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग और एक विश्वस्तरीय डिजिटल और सेवा अवसंरचना। न्यूजीलैंड विशेषज्ञता की पेशकश करता है: उच्च-तकनीक कृषि, सतत वानिकी और विशिष्ट निर्माण तकनीक। दोनों देशों की पूरक भूमिका ही इस साझेदारी की नींव है।

बेहतर बाजार पहुंच

एफटीए स्पष्टता और आकर्षक विशेषताओं के साथ संतुलन स्थापित करता है। भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बाहर रखा है, जैसे डेयरी, अधिकांश पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, कृत्रिम शहद, वसा और तेल, हथियार और गोला-बारूद, तांबा और एल्युमिनियम के सामान। शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क हटा दिए गये हैं, जिससे निरंतर मौजूद बाधा समाप्त हो गयी है: यह बाधा प्रमुख शुल्क लाइनों पर 10 प्रतिशत तक के शुल्क के रूप में मौजूद थी। यह प्रगति श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, सिरामिक और कालीन तथा उच्च-वृद्धि वाले वाहन और इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए तत्काल प्रतिस्पर्धा आधारित प्रोत्साहन प्रदान करती है। भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, अब न्यूजीलैंड के बाजार में प्रवेश कर रहा है, जो लगभग 1.9 बिलियन डॉलर मूल्य के ऐसे सामानों का वार्षिक आयात करता है और शून्य-शुल्क पहुँच की सुविधा देता है। इंजीनियरिंग निर्यात, जो दुनिया भर में 110 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, अब ऐसे बाज़ार में भी वैसी ही गति पकड़ रहा है, जो 11 बिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। चमड़ा, दवाएँ, समुद्री उत्पाद और प्लास्टिक—ये सभी क्षेत्र जो पहले टैरिफ़ की वजह से बाधित थे—अब आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत-प्रशांत क्षेत्र में विविधीकरण और विस्तार

यह समझौता दोनों देशों को उनके पारंपरिक बाजारों से हटकर अपने व्यापार में विविधता लाने में मदद करता है। एक ओर, यह भारत को न्यूजीलैंड—जो संसाधनों से समृद्ध एक विकसित अर्थव्यवस्था है—में शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करता है; वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की कंपनियों के लिए यह न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारतीय बाजार, जहाँ 1.46 अरब लोग रहते हैं, के द्वार खोलता है, बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था तक भी पहुंच सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, यह न्यूजीलैंड को चीन पर अपनी निर्यात निर्भरता कम करने में मदद करता है—क्योंकि उसके कुल माल निर्यात का 28त्न से अधिक हिस्सा चीन जाता है—और साथ ही इसकी आयात आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुदृढ़ता लाने में भी सहायक सिद्ध होता है।

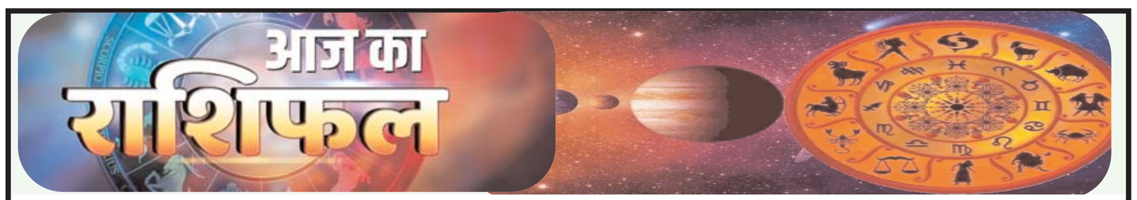

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में उच्च अधिकारियों के द्वारा शुभ समाचार मिलेगा। मित्रों की सहायता से आपको नए-नए कांटेक्ट मिलेंगे। आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए आनंदायक रहने वाला है। आपको अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना है। आपके मित्र आपसे मिलने आएगा, जिनसे मिलकर पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार की याद आएगी। अगर आपने पहले निवेश किया हुआ है तो उसका भी पूरा लाभ मिलेगा। वकील वर्ग के लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रतिदिन की दिनचर्या में सैर को शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। रिश्तेदार आपसे आर्थिक मदद मांग सकते है आप उसे निराश नहीं करेंगे। अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा। आप अपने रुके हुए सभी कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी पार्टी में सम्मिलित होंगे, जहां अन्य लोगों से मेल-मिलाप होगा। किसी खास व्यक्ति से हुई मुलाकात से आपका रुका हुआ काम पूरा करायेगी। आज बच्चे स्कूल का काम पूरा करने के लिए आप से मदद ले सकते हैं।

सिंह राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप किसी मनपसंद जगह पर ट्रांसफर ले सकते हैं। आपको उम्मीद से अधिक लाभ की संभावना बढ़ेगी। अगर मन में बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें, आपको अच्छा सलूशन मिल सकता है। आप जीवनसाथी के साथ छोटी-छोटी बातों में नोंक-झोंक करने से बचें।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में कुछ नए विचार लाएंगे। आपका सकारात्मक रवैया ही आपको नौकरी में तरक्की दिलाएगा। आपके बॉस आपको एप्रिशिएट करेंगे। आपके सगे संबंधी आपके सहयोग के लिए तत्पर दिखायी देंगे। बिजनेस के लिहाज से की गई यात्राएं आपके लिये लाभकारी होगी।

धनु राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज आप खुद पर विश्वास करेंगे और अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके काम में लगायेंगे।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस जुड़े हुए हैं तो आपके के लिए लाभ के योग हैं आप अपने काम में परिवर्तन लाने का मन बना सकते हैं। दांपत्य रिश्ते में मधुरता लेन के लिए आप कुछ नया करेंगे। इस दौरान आप नेगेटिव विचारों से बचें। आज आप बिजनेस मीटिंग अटेंड करने जा सकते हैं।

कुंभ राशि: आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा। समाज में आपके काम को सराहा जायेगा। शाम का समय आप अपने परिवार के साथ बिताएंगे, परिवार में हंसी ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। अपना ध्यान ईश्वर भक्ति में लगाये मन शांत रहेगा।

मीन राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप फाइनेंस डिपार्टमेंट या सेल्स में काम करते हैं तो आपको आपकी नॉलेज से काफी फायदा होगा। वैवाहिक जीवन में स्थिति अच्छी रहने वाली है। लेकिन समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। रिश्तों में ईमानदारी बनाए रखें, आपके लिए अच्छा रहेगा।

(विचार-मंथन) दल बदल कानून की आड़ में दल बदल

– सनत जैन

भारत में इस समय संविधान, कानूनों और नियमों का उपयोग गैर कानूनी एवं अनैतिक तरीके से हो रहा है। संविधान, नियम और कानून का पालन कराने वाले जो लोग कुर्सियों पर विराजमान हैं, वह इन कानूनो का दुरुपयोग करने वालों का संरक्षण कर रहे हैं। जिसके कारण नियम और कानूनो को लेकर आम आदमी का विश्वास धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है। यह देश के लिए एक चिंताजनक स्थिति है। भारत में दल बदल कानून इसलिए बनाया गया था, ताकि राजनीतिक दलों में जो लोग किसी पार्टी और विचारधारा से चुनाव जीतकर आते हैं। वह दल बदल करके अपने निजी लाभ के लिए अनैतिक काम न करने पाएं। उसको रोकने 1985 में संविधान में 52वां संशोधन करके दल बदल कानून बनाया गया था। इस कानून में विभाजन, मर्जर, विलय जैसी स्थितियों को परिभाषित किया गया था। 2003 में संविधान में 91 संशोधन के जरिए पुन: संशोधन करना पड़ा। विलय को पुन: परिभाषित किया गया। नियम और कानून में संविधान में संशोधन के बाद भी दल बदल बड़े पैमाने पर होता रहा। 2014 के बाद दल बदल की घटनाएं और भी तेजी के साथ बढ़ना शुरू हो गईं। आज दल बदल कानून एक ऐसा कानून बन गया है, जिसकी आड़ में बड़े पैमाने पर दल बदल हो रहा है। राजनीति में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को बढ़ा दिया है। सांसदों और विधायकों के संसद और विधानसभा में अभिव्यक्ति के अधिकार को सीमित कर दिया है। निर्वाचित सांसद या विधायक किसी बिल पर सहमत नहीं हों, उसे खुलकर बहस में भाग लेने या मतदान करने की अनुमति नहीं होती है। पार्टी लाइन के विरोध में मतदान करना चाहेगा, तो उसकी सदस्यता खत्म हो जाएगी। दल बदल कानून के अंतर्गत निर्वाचित सांसदों और विधायकों की अपने मतदाताओं और अपने कर्तव्यों को लेकर अपनी राय जाहिर करने का अधिकार भी खत्म हो गया है। अब पार्टी तय करती है, सांसदों और विधायकों को पार्टी लाइन पर ही

मतदान करना होगा, अन्यथा उसकी सदस्यता चली जाएगी। जिसके कारण दल बदल कानून भारतीय लोकतंत्र और भारतीय संविधान का काला कानून बन गया है। कानून और नियम तभी तक स्वीकार्य होते हैं, जब समाज में नैतिकता होती है। यदि नागरिक, नेता, अधिकारी और जिनके कंधों पर जिम्मेदारी है, वह नैतिक और जिम्मेदार नहीं होंगे। जिस तरह से पिछले तीन-चार दशकों में नैतिकता का स्थान अब अनैतिकता ने ले लिया है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर नियम और कानूनो का दुरुपयोग शुरू हुआ है। उसके बाद स्थितियां बद से बदतर होती चली जा रही हैं। संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थान पर रखा था। न्यायपालिका के पास सीधे कोई अधिकार नहीं है। कानून बनाने की विधायिका को, कार्यपालिका को यह जिम्मेदारी दी गई, जो भी नियम-कानून बनाए जाते हैं, उनके अनुसार कार्यपालिका की जिम्मेदारी तय है। संविधान ने न्यायपालिका को दोनों संवैधानिक संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा का अधिकार दिया। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, नियम, कानून और कायदे से कार्यपालिका और विधायिका काम कर रही है, या नहीं। इसकी समीक्षा का अधिकार न्यायपालिका के पास है। न्यायपालिका के आदेशों का पालन करना कार्यपालिका और विधायिका के लिए अनिवार्य है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका संविधान के प्रति अपनी जवाबदेही और कर्तव्यों को लेकर कमजोर होती हुई दिख रही है। न्यायपालिका में भी सरकारी दबाव, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, जवाबदेही का अभाव स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। जिसके कारण अब न्यायपालिका के प्रति लोगों का वह विश्वास खत्म हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार अपने हर निर्णय को सही ठहराती है। जब उनका विरोध होता है, तब सरकार कहती है न्यायपालिका चले जाओ। न्यायपालिका जाने पर भी वर्षों तक न्याय नहीं मिलता है। तारीख पर तारीख मिलती रहती है, जो फैसले आ रहे हैं, वह आधे अधूरे होते हैं। जिसके कारण कानून के प्रति आम आदमी को विश्वास नहीं रहा। दल बदल कानून का जिस तरह से दुरुपयोग हुआ है। आसंदी में बैठे हुए अध्यक्ष एवं सभापति जो बहुमत के आधार पर चुने जाते हैं। उन्होंने अपने अधिकारों का पार्टी के हितों के लिए दुरुपयोग किया है। सही समय पर फैसला नहीं दिया, फैसला दिया तो वह नियम और कानून के अनुसार नहीं था। जिसकी लाठी, उसकी भैंस का जो कानून हजारों लाखों वर्ष से चला आ रहा था, वही कानून अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी स्थान ले रहा है। दल बदल कानून में आसंदी अपनी राजनीतिक निष्ठा के अनुसार अलग-अलग निर्णय देती हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की भी देखने को मिलने लगी है। महाराष्ट्र में जब दल बदल हुआ था, सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के निर्णय और दल बदल को गैर संवैधानिक बताया। इसके बाद भी सरकार चलती रही। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के निर्णय की न्यायिक समीक्षा समय पर नहीं हुई। दल बदलू सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया। उसके बाद दूसरा चुनाव भी हो गया। आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों ने राज्यसभा में आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में चले गए है। जैसे ही उन्होंने दल बदलने का आवेदन किया। राज्यसभा के सभापति ने बिना किसी सुनवाई के उन्हें भाजपा का सांसद मान लिया। आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में है, उसके विधायक हैं राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है, राज्यसभा के सभापति ने यह देखने की जहमत नहीं उठाई, दल बदल कानून में नियमों का पालन हुआ है, या नहीं, जबकि आम आदमी पार्टी ने अपनी आपत्ति राज्यसभा सचिवालय को सौंप दी थी। वर्तमान हालात को देखते हुए यही कहा जा सकता है। संविधान, लोकतंत्र, कानून का राज, लट्ठ तंत्र के अधीन है।

पांच दिवसीय हिमाचल दौरे पर शिमला पहुंचीं मुर्मु

शिमला, (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु हिमाचल प्रदेश के पांचदिवसीय दौरे पर शिमला पहुंचीं, जहां छराबड़ा स्थित कल्याणी हेलीपैड पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। राज्यपाल कविंदर गुप्ता और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राष्ट्रपति की अगवानी की और प्रदेशवासियों की ओर से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, सांसद सुरेश कुमार कश्यप सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।शिमला के महापौर सुरिंदर चौहान, मुख्य सचिव संजय गुप्ता, पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी, सेना के वरिष्ठ अधिकारी तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने भी राष्ट्रपति का स्वागत किया। राष्ट्रपति अपने पांच दिवसीय प्रवास के दौरान राज्य में विभिन्न आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेंगी।

7 राज्यसभा सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद आप में हलचल बढ़ी, सभी विधायकों को जालंधर किया गया तलब

जालंधर ,(आरएनएस)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है। 7 सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद अब पार्टी नेतृत्व संभावित टूट को रोकने में जुट गया है। इसी कड़ी में प्रदेश प्रभारी मनीष सिसोदिया ने 29 अप्रैल को जालंधर में सभी विधायकों, ब्लॉक ऑब्जर्वर्स और फ्रंटल संगठनों के प्रमुखों की आपात बैठक बुलाई है। इस बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल होंगे।हालांकि बैठक का आधिकारिक एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि हालिया घटनाक्रम के बाद विधायकों की नब्ज टटोली जाएगी। इससे पहले जालंधर में हुई बैठक को लेकर मीडिया में यह दावा किया गया था कि मुख्यमंत्री ने विधायकों को छोटे स्तर पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर फटकार लगाई थी।

आईपीएल मैच देखकर लौट रहे दो भाइयों की दिल्ली के अशोका रोड पर एक्सीडेंट से मौत, लोडर वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दिल्ली के संसद मार्ग इलाके में देर रात आइपीएल मैच देख के घर लौट रहे दो भाइयों की सड़क हादसे के मौत हो गई। अशोका रोड पर महादेव रोड टी-पॉइंट, पीएनबी कॉम्प्लेक्स के सामने माल वाहक वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शी के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के बाद फरार मालवाहक वाहन की पहचान कर ली गई है और चालक की तलाश में दबिश दी जा रही है।

पीएम मोदी का अलग अंदाज, गंगटोक में बच्चों के साथ खेला फुटबॉल; तस्वीरें की शेयर

गंगटोक,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिक्किम दौरे पर हैं। मंगलवार की सुबह पीएम मोदी ने राजधानी गंगटोक में स्थानीय बच्चों के साथ फुटबॉल का आनंद लिया। पीएम ने बच्चों के साथ फुटबॉल खेलते हुए कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, गंगटोक की एक प्यारी सुबह, सिक्किम में अपने नन्हे दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलने का मजा ही कुछ और है।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, इन युवाओं के साथ फुटबॉल का एक जबरदस्त सेशन। पीएम मोदी ने अपने एक्स पोस्ट में कई तस्वीरें पोस्ट की हैं जिसमें वे स्थानीय बच्चों के साथ फुटबॉल खेलते, उनके साथ बातचीत करते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान पीएम पूरी तरह एक खिलाड़ी की वेशभूषा में हैं।पीएम 27 अप्रैल की शाम को गंगटोक पहुंचे थे। उनका मंगलवार का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है। बच्चों के साथ समय बिताने के बाद प्रधानमंत्री गंगटोक स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा करेंगे। वह पालजोर स्टेडियम में सिक्किम के राज्य स्थापना के 50वें वर्ष के समारोह के समापन समारोह में भाग लेंगे, जहां वे राज्य भर में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शुभारंभ और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वे सभा को संबोधित भी करेंगे।ये परियोजनाएं बुनियादी ढांचे, संपर्क, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं, और इनका उद्देश्य सिक्किम में समग्र और समावेशी विकास को गति देना है। प्रधानमंत्री युवा भागीदारी और खेल विकास को बढ़ावा देने के लिए पाकयोंग जिले के माइनिंग, रंगपो में इनडोर क्रिकेट सुविधाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन रक्षा मंत्रियों की बैठक के इतर किर्गिस्तान के रक्षा मंत्री मेजर जनरल रुसलान मुकाम्बेटोव से मुलाकात की।

यूपी का सबसे बड़ा औद्योगिक हब बनेगा गंगा एक्सप्रेसवे, 29 अप्रैल को पीएम मोदी देंगे 47 हजार करोड़ की सौगात

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। प्रदेश के महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेसवे को अब केवल एक सड़क परियोजना तक सीमित न रखते हुए इसे 'एक्सप्रेसवे-सह-औद्योगिक गलियारा' मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 29 अप्रैल को इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का उद्घाटन करने जा रहे हैं। इस पहल से न केवल सूबे में कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि रोजगार और आर्थिक गतिविधियों की एक नई लहर भी देखने को मिलेगी।उत्तर प्रदेश सरकार ने इस 594 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे को एक विशाल औद्योगिक हब में बदलने की पुख्ता रणनीति तैयार की है। इसे एकीकृत विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (आईएमएलसी) के रूप में आकार दिया जा रहा है ताकि प्रदेश में मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को नई दिशा मिल सके। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने इस महात्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने के लिए एक्सप्रेसवे के किनारे 6,507 एकड़ भूमि की पहचान कर ली है।

केजरीवाल की राह पर मनीष सिसोदिया, जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की कोर्ट के बहिष्कार का किया ऐलान

नई दिल्ली, (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर इन दिनों एक अलग ही तरह का 'सत्याग्रह' छिड़ गया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद अब उनके सबसे करीबी माने जाने वाले मनीष सिसोदिया ने भी न्यायपालिका से जुड़ा एक बेहद चौंकाने वाला कदम उठाया है। सिसोदिया ने दिल्ली हाई कोर्ट की जज जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत का पूर्ण रूप से बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने जज को एक पत्र लिखते हुए साफ कर दिया है कि अब से वह खुद या उनका कोई भी वकील इस अदालत की कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए पेश नहीं होगा।

केजरीवाल की राह पर चले सिसोदिया, लगाया पक्षपात का गंभीर आरोप

मनीष सिसोदिया का यह आक्रामक कदम बिल्कुल अरविंद केजरीवाल के उस फैसले की तरह है, जो उन्होंने ठीक एक दिन पहले लिया था। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भी जस्टिस स्वर्ण कांता के खिलाफ मोर्चा

खोलते हुए एक खुला खत लिखा था और उनके पूर्ण बहिष्कार की घोषणा करते हुए इस मुहिम को 'सत्याग्रह' का नाम दिया था। ठीक उसी तर्ज पर अब मनीष सिसोदिया ने भी जस्टिस शर्मा पर हितों के टकराव और पक्षपात करने की भारी आशंका जताते हुए खुद को इस अदालत की सुनवाई से पूरी तरह अलग कर लिया है। आप नेताओं के इस कदम ने कानूनी गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

आखिर दांव पर क्या है और क्यों उठी बहिष्कार की मांग?

दरअसल, यह पूरा हाई-वोल्टेज ड्रामा दिल्ली के बहुचर्चित कथित शराब घोटाले से जुड़ा हुआ है, जिसने आम आदमी पार्टी की नींव हिला कर रख दी थी। इस हाई-प्रोफाइल और संवेदनशील मामले की सुनवाई फिलहाल जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत में ही चल रही है। गौरतलब है कि इससे पहले निचली अदालत (ट्रायल कोर्ट) ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए केजरीवाल और सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को इस मामले में आरोपमुक्त कर दिया था। लेकिन केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने हार नहीं मानी और ट्रायल कोर्ट के इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दे दी। अब जब सीबीआई की याचिका पर सुनवाई चल रही है, तो आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सीधे जज की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े करते हुए अदालत से दूरी बना ली है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के राजीव नगर स्थित कम्युनिटी हॉल में आदिवासी परिवारों और समुदाय के नेताओं के साथ एक संवाद कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया जा रहा है।

तुर्की से भारत लाया गया दाऊद का सबसे खास गुर्गा, 5000 करोड़ के ड्रग सिंडिकेट वाले सलीम डोला का अब होगा 'हिसाब'

नई दिल्ली, (आरएनएस)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के बेहद करीबी और कुख्यात ड्रग माफिया सलीम डोला के बुरे दिन आखिरकार शुरू हो गए हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने एक बड़े और बेहद गोपनीय ऑपरेशन को अंजाम देते हुए डोला को तुर्की से भारत डिपोर्ट करवा लिया है। आज सुबह एक विशेष विमान के जरिए इस खूंखार माफिया को दिल्ली के टेक्निकल एयरपोर्ट पर लाया गया। बता दें कि हाल ही में तुर्की के इस्तांबुल में सुरक्षा एजेंसियों ने उसे दबोचा था, जिसके बाद से ही उसे भारत लाने की तैयारियां तेज हो गई थीं।सलीम डोला कोई छोटा-मोटा अपराधी नहीं है, बल्कि वह दुबई और तुर्की जैसे देशों में बैठकर भारतीय युवाओं की रगों में जहर (ड्रग्स) घोलने का एक बहुत बड़ा सिंडिकेट चला रहा था। वह लंबे समय से भारत से फरार था और विदेशों में छिपकर अपना काला धंधा बढ़ा रहा था। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर इस मौत के सौदागर को पकड़ने के लिए एक बड़ा जाल बिछाया था, जो अंततः सफल रहा। फिलहाल, खुफिया एजेंसियां दिल्ली में डोला से कड़ी पूछताछ कर रही हैं, जिसके बाद इस माफिया को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई पुलिस या नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के हवाले कर दिया जाएगा।

5,000 करोड़ का काला कारोबार और दाऊद का 'आशीर्वाद'

इस कुख्यात ड्रग माफिया के तार सीधे तौर पर दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी और उसके खौफनाक नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। वह भारत में ड्रग्स सप्लाई का एक अहम चैनल संभालता था। ग्लोबल सिंथेटिक ड्रग नेटवर्क की दुनिया में सलीम डोला का नाम बहुत बड़ा माना जाता है। जांच एजेंसियों की मानें तो दाऊद के इशारों पर काम करने वाला यह तस्कर सालाना 5,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के ड्रग्स का काला कारोबार कर रहा था, जो अब पूरी तरह से भारतीय एजेंसियों के निशाने पर आ गया है।भारत के कई अलग-अलग हिस्सों में डोला की अवैध ड्रग फैक्ट्रियां और लैब पहले ही पकड़ी जा चुकी हैं, जिससे उसके खौफनाक मंसूबों का पर्दाफाश हुआ था। इस अंतरराष्ट्रीय तस्कर के खिलाफ न केवल इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, बल्कि एनसीबी ने उस पर 1 लाख रुपये का नकद इनाम भी घोषित कर रखा था। शुरुआती दौर में सलीम डोला मुंबई से अपना पूरा नेटवर्क ऑपरेट करता था, लेकिन पुलिस की दबिश बढ़ने के बाद वह दुबई भाग गया था और वहीं से अपने गुर्गों के जरिए धंधा चला रहा था।

विशेष सत्र पर सियासत तेज, सैनी का विपक्ष पर हमला

चंडीगढ़, (आरएनएस)। हरियाणा विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं और कर्मचारियों से जुड़े अहम मुद्दों से किनारा किया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। सैनी ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में विपक्ष के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें सत्र को असंवैधानिक बताया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्र मंत्रिमंडल की मंजूरी और राज्यपाल की अनुमति से विधिवत बुलाया गया। आचार संहिता के बावजूद सत्र पर उठे सवालों को भी उन्होंने निराधार बताया। इस सत्र में सदन में हरियाणा लिपिक सेवा (भर्ती एवं सेवा शर्तें) विधेयक, 2026 सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके तहत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को सरल बनाया गया और लिपिकीय पदों पर प्रमोशन कोटा 20 से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने स्थगन प्रस्ताव तो दिया, लेकिन खुद ही सदन से अनुपस्थित रहा। उन्होंने कांग्रेस पर विधानसभा के बाहर समानांतर सत्र चलाने का आरोप लगाते हुए इसे असंवैधानिक बताया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए सैनी ने कहा कि विधेयक की प्रति न मिलने का बहाना बनाया गया, जबकि सारी जानकारी नेवा पोर्टल पर उपलब्ध थी।

एनएच-34 पर डंपर और मारूति वैन की टक्कर, चार बरातियों की मौत, तीन की हालत नाजुक

हमीरपुर ,(आरएनएस)। हमीरपुर जिले में नेशनल हाईवे-34 पर छिरका के पास देर रात डंपर और मारूति वैन की आमने-सामने टक्कर में चार बरातियों की मौके हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी मौदहा पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कुरारा थानाक्षेत्र के ग्राम डामर से कुशवाहा समाज की बरात कबरई थानाक्षेत्र के ग्राम खड्डी पहरा (महोबा) जा रही थी। बरात में शामिल कुछ लोग मारूति वैन से जा रहे थे। जैसे ही वाहन छिरका के पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में वैन के परखच्चे उड़ गए और उर्दना निवासी मोहन (20), तिंदुही निवासी आशीष (30), डामर निवासी कमलेश और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।

मर्जी से साथ रहे, बच्चा पैदा किया, फिर ब्रेकअप पर रेप कैसे?' लिव-इन रिलेशनशिप पर एससी का तीखा सवाल

नई दिल्ली(आरएनएस)। लिव-इन रिलेशनशिप और उसमें सहमति से बने शारीरिक संबंधों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम और बड़ी

टिप्पणी की है। अदालत ने साफ कर दिया है कि अगर कोई कपल बिना शादी किए अपनी मर्जी से लंबे समय तक साथ रहता है और बाद में किसी वजह से उनके रास्ते अलग हो जाते हैं, तो इसे रेप का मामला नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की एकमात्र महिला जज जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाने वाली एक महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह सख्त बात कही। इस मामले में महिला और आरोपी लंबे समय से लिव-इन में रह रहे थे और उनका एक बच्चा भी है।

'बिना शादी के साथ रहने का फैसला क्यों किया?

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने याचिकाकर्ता महिला से तीखा सवाल किया कि आखिर उसने शादी से पहले आरोपी के साथ रहने का फैसला क्यों किया था। जज ने यह भी स्पष्ट किया कि कोर्ट द्वारा ऐसे सवाल पूछने पर अक्सर 'विक्टिम शेमिंग' (पीड़िता को ही दोषी ठहराने) का आरोप लगा दिया जाता है, लेकिन लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मामलों की सच्चाई और परिस्थितियों की गहराई को समझने के लिए ऐसे सवाल पूछना बेहद जरूरी हो जाता है।

हथियारों की रेस में दुनिया के टॉप-5 देशों में भारत, जानिए रक्षा खर्च में पाकिस्तान हमसे कितना पीछे?

नई दिल्ली, (आरएनएस)। साल 2025 में अपनी सेनाओं को मजबूत करने और हथियारों की खरीद के मामले में भारत ने दुनिया भर में अपना दबदबा कायम किया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा सैन्य खर्च करने वाले देशों की सूची में भारत पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। इस सूची में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी ही भारत से आगे हैं। पिछले साल दुनिया भर में हुए कुल सैन्य खर्च में भारत की हिस्सेदारी 3.2 प्रतिशत रही है। 2025 में भारत का कुल सैन्य खर्च 92.1 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 8.9 प्रतिशत ज्यादा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' ने बढ़ाई हथियारों की मांग

भारत के रक्षा खर्च में हुए इस भारी इजाफे के पीछे का सबसे बड़ा कारण पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ चलाया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' माना जा रहा है। इस अहम सैन्य अभियान के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने युद्ध की किसी भी स्थिति से निपटने और सेना को हमेशा तैयार रखने के लिए आपातकालीन आधार पर हथियारों और जरूरी साजो-सामान की बड़े पैमाने पर खरीद की थी। इसी त्वरित सैन्य तैयारी और खरीद के चलते रक्षा बजट में यह उछाल देखने को मिला है।

चीन और पाकिस्तान का क्या है हाल?

पड़ोसी देशों की बात करें तो सिपरी के आंकड़े बताते हैं कि चीन

दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा सैन्य खर्च करने वाला देश बना हुआ है। चीन ने अपने रक्षा बजट में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि की है, जिससे उसका कुल खर्च 336 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। वहीं, कंगाली की कगार पर खड़े पाकिस्तान ने भी अपनी सेना पर खर्च बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भारी आर्थिक संकट के बावजूद पाकिस्तान के सैन्य खर्च में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। 11.9 अरब डॉलर के खर्च के साथ पाकिस्तान इस ग्लोबल लिस्ट में भारत से कोसों दूर 31वें पायदान पर खड़ा है।

रूस पर निर्भरता हो रही कम, फिर भी आयात में भारत आगे

सिपरी की एक अन्य रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत अब हथियारों के लिए केवल रूस पर निर्भर नहीं है। पिछले एक दशक में भारत ने फ्रांस, इजरायल और अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों की ओर तेजी से रुख किया है। एक समय भारत के कुल हथियार आयात में रूस की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत हुआ करती थी, जो 2021-25 के बीच घटकर 40 प्रतिशत पर आ गई है। हालांकि, इन सबके बावजूद भारत अभी भी सैन्य हार्डवेयर का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक देश है। वैश्विक हथियारों के आयात में भारत की हिस्सेदारी 8.2 प्रतिशत है, जिसकी मुख्य वजह चीन और पाकिस्तान के साथ सीमाओं पर लगातार बना रहने वाला तनाव है।

दुनिया भर में हथियारों की होड़, भविष्य के लिए भारत तैयार

वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो रक्षा खर्च 2,887 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिका, चीन और रूस मिलकर ही पूरी दुनिया का 51 प्रतिशत सैन्य खर्च कर रहे हैं। वहीं, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप में नाटो देशों द्वारा खुद को फिर से हथियारों से लैस करने की कोशिशों के चलते वहां के सैन्य खर्च में 14 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। भविष्य की चुनौतियों और 'ऑपरेशन सिंदूर' के अनुभवों को देखते हुए भारत सरकार ने भी 2026-27 के केंद्रीय बजट में रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 15 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी की है।

प्रियंका चोपड़ा बनीं इस बायोपिक का हिस्सा, कैमियो से जीतने आएंगी फैंस का दिल

ग्लोबर सुपरस्टार प्रियंका चोपड़ा भले ही विदेश में रहती हों, लेकिन भारत में उनका आना-जाना लगा रहता है। इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म वाराणसी है, जिसका निर्माण एसएस राजामौली कर रहे हैं। इस बीच खबर है कि उन्होंने देश में रहते हुए ही एक बायोपिक फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इस परियोजना के बारे में ज्यादा जानकारी तो सामने नहीं आई है, लेकिन चर्चा है कि प्रियंका को इसमें एक कैमियो करते हुए दिखाया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का नाम अमरी है, जो हंगरी-भारतीय चित्रकार अमृता शेर-गिल की बायोपिक है। सूत्र ने बताया कि प्रियंका हाल ही में भारत में थीं। एक अन्य प्रतिबद्धता पूरी करने के बाद उन्होंने फिल्म की शूटिंग की। उन्होंने कहा, फिल्म का उद्देश्य हंगरी, भारत और फ्रांस में चित्रकार के जीवन को दर्शाना है। फिल्म में एक विशेष हिस्सा था जिसके लिए पिछले साल प्रियंका से संपर्क किया गया था, और उन्होंने पिछले सप्ताह इसकी शूटिंग की।

फिल्म का निर्माण भारतीय-अमेरिकी फिल्म निर्माता मीरा नायर कर रही हैं। प्रियंका एक विशेष भूमिका निभाएंगी। वहीं अमृता शेर-गिल की मुख्य भूमिका के लिए अभिनेत्री तान्या मानिकतला को कास्ट किया गया है। बता दें, अमृता शेर-गिल 20वीं सदी की मशहूर हंगेरियन-भारतीय चित्रकार थीं, जिन्हें आधुनिक भारतीय कला का अग्रणी माना जाता है। 19 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पेंटिंग यंग गर्ल्स के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की एशियाई महिला होने का गौरव हासिल किया था।

गोलमाल 5 में शरमन जोशी की वापसी, फटूश टीम संग ऊटी पहुंचे रोहित शेट्टी, अजय देवगन ने दिखाई झलक

गोलमाल 5 के अपडेट को लेकर बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए गुड न्यूज है. मशहूर फिल्ममेकर रोहित शेट्टी ने इस कॉमेडी फ्रैंचाइजी की शूटिंग शुरू कर दी है. अजय देवगन ने गोलमाल 5 के शेड्यूल की एक झलक शेयर की है, जिसने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दी है.बॉलीवुड स्टार अजय देवगन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर गोलमाल 5 के स्टार कास्ट के एक झलक शेयर की है और फैंस को बताया है कि गोलमाल 5 की अगली शूटिंग शुरू हो गई है. उन्होंने ऊटी से एक मजेदार वीडियो मोंटाज शेयर किया है, जिसमें अरशद वारसी, तुषार कपूर, शरमन जोशी, श्रेयस तलपड़े और कुणाल खेमू नजर आ रहे हैं.अजय ने अरशद, तुषार, शरमन, श्रेयस और कुणाल के साथ अपनी एक तस्वीर भी पोस्ट की है. इस तस्वीर में ये सभी एक्टर उस मशहूर पांच-सीटर बाइक के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं, जो इस फिल्म फ्रेंचाइजी का एक अहम हिस्सा रही है. अजय ने इंस्टाग्राम इस मजेदार वीडियो मोंटाज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, इस बार सवारी बड़ी है, और एंटरटेनमेंट उससे भी ज्यादा बड़ा होगा. गोलमाल 5 का ऊटी शेड्यूल, लड़कों के साथ.रोहित शेट्टी ने भी वही वीडियो मोंटाज शेयर

किया और कैप्शन में लिखा है, 20 सालों से पॉजिटिव वाइब्स के साथ आगे बढ़ रहे हैं. गोलमाल 5. ऊटी शेड्यूल. ऊटी का शेड्यूल से यग लग रहा है कि रोहित शेट्टी खूबसूरत आउटडोर लोकेशन्स पर बड़े लेवल पर हाई-एनर्जी वाले सीन्स को फिल्माने में लगे हुए हैं.वहीं, इस क्लिप में यह भी साफ हो गया है कि फिल्म के गोलमाल 5 में शरमन जोशी की वापसी हो रही है. वह 2006 की ओरिजिन फिल्म का हिस्सा थे. उन्होंने फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभाया था. ओरिजिनल फिल्म में शरमन के अलावा अजय देवगन, अरशद वारसी, जोशी और तुषार कपूर ने भी काम किया था, और यह बॉक्स-ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी. इन सालों में, गोलमाल फ्रैंचाइजी बॉलीवुड के सबसे जाने-पहचाने कॉमेडी ब्रैंड्स में से एक बन गई है.गोलमाल के बाद इसकी 4 सीक्वल फिल्में आईं, जिनका नाम गोलमाल रिटर्न्स, जो 2008 रिलीज हुई, 2010 में गोलमाल 3 और गोलमाल अगेन, जो 2017 रिलीज हुई थी, है. इन सभी को दर्शकों और फैंस से काफी सराहना मिली थी.गोलमाल 5 का निर्माण रोहित शेट्टी पिक्चर्स ने टी-सीरीज के साथ मिलकर किया है. हालांकि फिल्म की कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन रोहित शेट्टी ने हाल ही में इस बात की पुष्टि की है कि आने वाली इस फिल्म में अक्षय कुमार भी एक अहम भूमिका निभाएंगे.

धुरंधर 2 ने तोड़ा बाहुबली 2 का रिकॉर्ड, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी भारतीय फिल्म बनी

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर 2 को ईद 2026 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और रिलीज के बाद से ही फिल्म अब तक बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है. ये एक के बाद एक नए रिकॉर्ड सेट कर रही है साथ कई बड़ी फिल्मों को भी कमाई के मामले में पीछे छोड़ चुकी है. ऐसे में अब रणवीर सिंह और सारा अर्जुन स्टारर फिल्म ने एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली 2 को भी पछाड़ दिया और ये अब इंडिया की दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन चुकी है.कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, धुरंधर 2 ने 39वें दिन कमाल का बिजनेस किया और इसने वर्ल्डवाइड बाहुबली 2 को पछाड़ दिया. छठे संडे को फिल्म ने आनुमानित 3.4 करोड़ का बिजनेस किया. वहीं, फिल्म ने छठे वीकेंड पर 8 करोड़ का नेट कलेक्शन किया, जिसके बाद इसका इंडिया नेट कलेक्शन बढ़कर 1167.63 करोड़ हो गया. फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1377.8 करोड़ पहुंच गया. इतना ही नहीं, फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर भी कमाल का बिजनेस किया. फिल्म ने ओवरसीज 424 करोड़ की कमाई की. कोईमोई के अनुसार, अगर फिल्म की भारत और विदेशों की कमाई को जोड़ा जाए तो 39वें दिन इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1801.8 करोड़ पहुंच गया.39वें दिन छठे रविवार के कलेक्शन के बाद आदित्य धर की फिल्म धुरंधर 2 दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग इंडियन फिल्म बन चुकी है.

थलापति विजय जन नायकन की रिलीज डेट हुई कंफर्म, 8 मई को दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर मचाएगी धमाल

थलापति विजय की आखिरी फिल्म जन नायन आखिरकार अब सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है. सेंसर बोर्ड के साथ लंबी कंट्रोवर्सी के बाद इस मच अवेटेड फिल्म की रिलीज डेट कंफर्म कर दी गई है.

रिपोर्ट के अनुसार, ये पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा 8 मई 2026 को दुनियाभर में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी. नई रिलीज डेट की घोषणा ऑफिशियल तौर पर जल्द ही की जाएगी.

केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी जन नायकन कुछ दिनों पहले ऑनलाइन लीक हो गई थी, जिसका असर इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर पड़ना कंफर्म माना जा रहा है. हालांकि, थलापति विजय की स्टार पावर इतनी मजबूत है कि फिल्म को जबरदस्त ओपनिंग मिल सकती है.

इसके अलावा जन नायकन को विजय की आखिरी फिल्म बताई जा रही है, जो शुरुआती दिनों में इसकी कमाई को और बढ़ा सकती है. चाहे फिल्म को लेकर दर्शकों का रिएक्शन कैसा भी क्यों ना हो. अगर फिल्म को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलता है, तो ये तमिलनाडु में बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ सकती है.

ऋचा चड्ढा पहली बार निभाने जा रहीं ऐसा अवतार, ओटीटी पर चौंकाएगा नया अंदाज

मसान और फुकरे जैसी फिल्मों में अपनी अमिट छाप छोड़ने वालीं ऋचा चड्ढा एक बार फिर चर्चा में हैं। आखिरी बार उन्हें संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार (मई, 2024) में लज्जो का किरदार निभाते हुए देखा गया था। ताजा अपडेट है कि ऋचा एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को फिर से चौंकाने के लिए आ रही हैं। उन्हें जल्द ही ओटीटी की एक रोमांचक क्राइम थ्रिलर सीरीज में मुख्य किरदार निभाते हुए देखा जाएगा।

के मुताबिक, ऋचा को उनके द्वारा निभाई गई पीरियड भूमिका से बिलकुल अलग, आगामी परियोजना में एक जासूस के किरदार में देखा जाएगा। सीरीज के बारे में ज्यादा विवरण तो सामने नहीं आया है, लेकिन अभिनेत्री ने इसकी शूटिंग शुरू कर दी है। यह शो अपराध और जांच की पृष्ठभूमि पर आधारित एक जटिल कहानी दर्शकों के सामने पेश करेगा। इसमें अभिनेत्री का किरदार बतौर जासूस इन रहस्यों की गुत्थी को सुझलाने का काम करेगा।

सूत्र ने कहा, हीरामंडी के बाद और प्रेग्नेंसी के बाद, ऋचा कुछ बिल्कुल अलग करना चाहती थीं। एक जासूस की भूमिका उन्हें तीक्ष्ण और बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन दिखाने का मौका देती है। उन्होंने शूटिंग शुरू कर दी है, और इसका लुक और टोनैलिटी उनके द्वारा पहले किए गए किसी भी काम से बिल्कुल अलग है। बता दें, हीरामंडी की रिलीज के बाद जुलाई, 2024 में ऋचा ने बेटी को जन्म दिया था। तब से वह पर्दे से दूर हैं।

रश्मिका मंदाना की मैसा का केरल शेड्यूल शुरू, केचा मास्टर के निर्देशन में शूट होंगे 15 दिनों के जबरदस्त एक्शन सीन्स

साउथ सिनेमा की खूबसूरत हसीना रश्मिका मंदाना की मैसा 2026 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने वाली है. अपनी वर्सटालिटी और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर रश्मिका इस फिल्म में एक जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आएंगी, जो उनकी इमेज को पूरी तरह बदल सकता है.हाल ही में आए एक पोस्टर ने उनके इंटेंस ट्रांसफॉर्मेशन की झलक दिखाई थी. खबरों की मानें तो रश्मिका फिल्म के डिमांडिंग एक्शन सीन्स के लिए कड़ी मेहनत और डेली ट्रेनिंग कर रही हैं. हाई-इम्पैक्ट स्टंट्स से लेकर फिजिकली चैलेंजिंग सीन्स तक, वो कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं.

फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ाते हुए मेकर्स ने अब एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें बताया गया है कि केरल में 15 दिनों का शूटिंग शेड्यूल शुरू हो चुका है. इस हाई-ऑक्टेन शेड्यूल की एक्शन कोरियोग्राफी केचा मास्टर कर रहे हैं.वीडियो में रश्मिका एक्शन डायरेक्टर के साथ घने जंगलों के बीच कॉम्बैट मूव्स की रिहर्सल करती दिख रही हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में बेहद रॉ और खतरनाक एक्शन सीक्वेंस होंगे. साफ है कि मैसा में रश्मिका का एक पावरफुल एक्शन अवतार देखने को मिलने वाला है.वीडियो शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, मैसा एक्शन में वापस आ गई है, केरल में फिलहाल 15 दिनों का एक हाई-ऑक्टेन शेड्यूल चल रहा है, जिसकी एक्शन कोरियोग्राफी जैकास्टंट्स मास्टर द्वारा की जा रही है. रश्मिका मंदाना अपने अब तक के सबसे विस्फोटक और इंटेंस अवतार में पर्दे पर आग लगाने के लिए तैयार हैं.फिल्म के विजुअल स्टोरीटेलिंग सिनेमैटोग्राफर श्रेयस कृष्णा ने तैयार किए हैं, जबकि इसका म्यूजिक जेक्स बेजॉय ने कंपोज किया है. फिल्म के एक्शन लेवल को बढ़ाने के लिए, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर स्टंट कोरियोग्राफर एंडी लॉन्ग इस महत्वाकांक्षी एंटरटेनर के हाई-इंटेंसिटी सीन्स को डिजाइन कर रहे हैं.

ब्लश से बढ़ जाएगी आपके गालों की लाली, इसे इस तरह करना चाहिए इस्तेमाल

ब्लश एक प्रसिद्ध मेकअप उत्पाद है, जो गालों को गुलाबी बनाने और चेहरे पर लाली लाने में मदद करता है। हालांकि, जिन्होंने नया-नया मेकअप करना शुरू किया हो, उनके लिए इसे सही तरीके से लगाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ खास मेकअप टिप्स के बारे में बताएंगे, जिनकी मदद से हर बार आपका ब्लश अच्छे से लगेगा। इन टिप्स को अपनाकर आप अपने चेहरे पर लाली ला सकती हैं।

सही रंग का करें चयन

ब्लश खरीदते समय सबसे पहले सही रंग का चयन करना जरूरी है। अगर आपकी त्वचा गोरी है तो हल्के गुलाबी या पीच टोन वाले ब्लश चुनें। मध्यम त्वचा वाले लोग म्यूटेड पिंक या कोरल रंग चुन सकते हैं। गहरे रंग की त्वचा वाले लोगों को ब्रोंज या डार्क पिंक रंग पसंद आ सकते हैं। सही रंग चुनने से आपका चेहरा तरोताजा और प्राकृतिक लगेगा, जिससे आपका लुक और भी निखर उठेगा।

ब्रश के बजाय उंगलियों का करें इस्तेमाल

ब्लश लगाते समय ब्रश के बजाय उंगलियों का इस्तेमाल करें। इससे ब्लश समान रूप से फैलता है और आपकी त्वचा में एक प्राकृतिक चमक आती है। बस अपनी उंगलियों पर थोड़ा-सा ब्लश लेकर गालों पर हल्के हाथों से थपथपाएं। यह तरीका न केवल आसान है, बल्कि इससे आपका मेकअप भी ज्यादा लंबे समय तक टिकता है। इसके अलावा यह तरीका आपके चेहरे को एक ताजगी भरा लुक भी देता है, जिससे आपका चेहरा और भी सुंदर लगता है।

हल्का प्राइमर लगाएं

अगर आप चाहती हैं कि आपका ब्लश पूरे दिन टिका रहे तो इसके नीचे एक हल्का प्राइमर लगाएं। प्राइमर आपकी त्वचा को चिकना बनाएगा और ब्लश को बेहतर तरीके से पकड़ने में मदद करेगा। इसके लिए एक हल्का-सा प्राइमर लें और उसे अच्छे से फैलाएं। इसके ऊपर ही बेस मेकअप करें और उसके ऊपर से ब्लश को फैला लें। इससे न केवल आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा, बल्कि आपका चेहरा भी तरोताजा और चमकदार लगेगा।

मल्टीपर्पस ब्लश स्टिक का करें चयन

आजकल बाजार में ऐसे ब्लश स्टिक्स मिलते हैं, जिन्हें आप गालों, आंखों और होठों पर इस्तेमाल कर सकते हैं। ये बहुत ही सुविधाजनक होती हैं, क्योंकि इनसे कई उत्पादों का काम एक ही साथ हो जाता है और मेकअप जल्दी हो जाता है। इनका फॉर्मूला ऐसा होता है कि ये त्वचा में आसानी से समा जाता है। ऐसे ब्लश स्टिक का इस्तेमाल करने से आपका पूरा लुक और भी निखर आता है और आपको ताजगी भरा महसूस होता है।

सही मात्रा में लगाएं ब्लश

ब्लश लगाते समय सही मात्रा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ज्यादा ब्लश लगाने से आपका चेहरा बनावटी दिख सकता है, इसलिए हमेशा थोड़ी मात्रा में ही ब्लश लगाएं। शुरुआत में थोड़ी-सी मात्रा लें और जरूरत पड़ने पर फिर से लगाएं, ताकि आपका चेहरा प्राकृतिक दिखे। इन आसान, लेकिन प्रभावी हैक्स की मदद से आप अपने मेकअप रूटीन को आसान और मजेदार बना सकती हैं। इनसे न केवल आपका मेकअप बेहतर होगा, बल्कि आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

ये 5 संकेत बता सकते हैं कि आपके शरीर का बढ़ रहा है तापमान, बरतें सावधानी

गर्मी के मौसम में शरीर का तापमान बढ़ना आम बात है। हालांकि, अगर यह जरूरत से ज्यादा बढ़ जाए तो यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। शरीर के गर्म होने पर कई संकेत मिलते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताते हैं, जो शरीर के तापमान के बढ़ने का संकेत दे सकते हैं ताकि आप समय रहते सावधानी बरत सकें और गंभीर समस्याओं से बच सकें।

सिरदर्द होना

अगर आपको गर्मियों में सिरदर्द की समस्या होने लगे तो इसे नजरअंदाज न करें। यह शरीर के अधिक तापमान बढ़ने का संकेत हो सकता है। आमतौर पर यह समस्या धूप में लंबे समय तक रहने या अधिक मेहनत करने से होती है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें, खूब पानी पिएं और ठंडे पेय का सेवन करें। इसके अलावा सिरदर्द को दूर करने के लिए ठंडी पट्टी भी लगा सकते हैं।

चक्कर आना

अगर आपको अचानक चक्कर आने लगे तो समझ जाइए कि आपका शरीर अधिक गर्म हो रहा है। यह स्थिति खासकर तब होती है, जब कोई व्यक्ति अधिक देर तक सूरज की रोशनी में रहता है या अधिक मेहनत करके खुद को प्यासा कर लेता है। इससे शरीर का तापमान असंतुलित हो जाता है, जिससे चक्कर आने लगते हैं। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें और तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें।

उल्टी आना

अगर आपको उल्टी आने की समस्या होने लगे तो यह भी शरीर के अधिक गर्म होने का संकेत हो सकता है। यह स्थिति खासकर तब होती है, जब कोई व्यक्ति अधिक देर तक सूरज की रोशनी में रहता है या अधिक मेहनत करके खुद को प्यासा कर लेता है। इससे शरीर का तापमान असंतुलित हो जाता है, जिससे उल्टी आने लगती है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें और तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें।

त्वचा का लाल होना

अगर आपकी त्वचा ज्यादा गर्म होने पर लाल पड़ने लगे तो समझ जाइए कि आपका शरीर अधिक गर्म हो रहा है। आमतौर पर यह समस्या धूप में लंबे समय तक रहने या अधिक मेहनत करने से होती है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें, ठंडे पानी से नहाएं और त्वचा को ठंडा रखने वाले जेल या लोशन का इस्तेमाल करें।

सांस लेने में दिक्कत होना

अगर आपको सांस लेने में दिक्कत होने लगे तो यह भी शरीर के अधिक गर्म होने का संकेत हो सकता है। यह स्थिति खासकर तब होती है, जब कोई व्यक्ति अधिक देर तक धूप में रहता है या अधिक मेहनत करके खुद को प्यासा कर लेता है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें और तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें। इसके अलावा सांस लेने में दिक्कत होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

UN में अमेरिका की तमाम कोशिशें नाकाम, 121 देशों के समर्थन से ईरान को मिला ये पद

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्व में परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) की एक महीने तक चलने वाली अहम बैठक शुरू हो गई है। लेकिन इस बैठक की शुरुआत में ही अमेरिका को एक बड़ा कूटनीतिक झटका लगा है। बैठक में 34 देशों के प्रतिनिधियों को उपाध्यक्ष चुना गया है, जिसमें ईरान ने भी अपनी जगह पक्की कर ली है। अमेरिका के भारी विरोध और एड़ी-चोटी का जोर लगाने के बावजूद ईरान को एनपीटी के भीतर उपाध्यक्ष का पद मिल गया है। आपको बता दें कि एनपीटी में एक अध्यक्ष और 34 उपाध्यक्ष हर 5 साल पर चुने जाते हैं और इस बार अध्यक्ष की कुर्सी चीन व रूस के करीबी माने जाने वाले वियतनाम को मिली है।

121 देशों के समर्थन से ईरान ने मारी बाजी

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान को इस पद से दूर रखने के लिए आखिरी वक्त तक अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन 121 देशों के भारी समर्थन के कारण ईरान ने यह कुर्सी हासिल कर ली। इस जीत के बाद ईरान का स्पष्ट कहना है कि उसके नेता ने हमेशा से परमाणु हथियारों का विरोध किया है और अमेरिका जानबूझकर पूरी दुनिया में उनके खिलाफ सिर्फ झूठ फैलाने का काम कर रहा है।

अमेरिका ने बताया 'अपमान', कहा- खत्म हो जाएगी विश्वसनीयता

परमाणु अप्रसार संधि के अध्यक्ष हेंग वियत के अनुसार, गुट निरपेक्ष देशों ने मजबूती से ईरान का समर्थन किया। हालांकि यूएई और अमेरिका जैसे देशों ने इसका कड़ा विरोध किया, लेकिन उनकी एक न चली। ईरान की इस जीत पर अमेरिकी शस्त्र नियंत्रण और अप्रसार ब्यूरो के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने भड़कते हुए इसे एनपीटी के लिए एक बड़ा अपमान करार दिया है। येव ने कहा कि ईरान ने लंबे समय से परमाणु अप्रसार नीति की प्रतिबद्धताओं के प्रति अपनी अवमानना दिखाई है, ऐसे में उसे इस पद के लिए चुना जाना बेहद शर्मनाक और एनपीटी की विश्वसनीयता को खत्म करने वाला फैसला है।

ईरान का करारा पलटवार- अमेरिका ने ही किया है परमाणु बम का इस्तेमाल

अमेरिका की इस तिलमिलाहट पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी में ईरान के दूत रजा नजाफी ने भी करारा पलटवार किया है। नजाफी ने सीधे तौर पर अमेरिका की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जिसने हकीकत में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया है। ऐसे में उसे इस मुद्दे पर बोलने का कोई नैतिक हक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका खुद दुनिया को उपदेश देते हुए अपने परमाणु शस्त्रागार का लगातार विस्तार करने में लगा हुआ है।

क्या है परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी)?

परमाणु अप्रसार संधि का निर्माण 1970 में शीत युद्ध के दौरान दुनिया पर मंडरा रहे परमाणु हमले के खतरे को देखते हुए किया गया था। संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में काम करने वाले इस संगठन का मुख्य मकसद पूरी दुनिया को परमाणु तबाही से बचाना है। वर्तमान में 190 से ज्यादा देश इसके सदस्य हैं। इस संगठन के मुख्य रूप से तीन बड़े उद्देश्य हैं। पहला यह कि जिन देशों के पास परमाणु हथियार नहीं हैं, वे भविष्य में इसे हासिल करने का प्रयास नहीं करेंगे।

होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरा पुतिन के करीबी का सुपरयॉट, प्रतिबंधों का नहीं दिखा असर

बख्श, (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान में तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इस बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक प्रमुख सहयोगी का सुपरयॉट नॉर्ड आराम से यहां से गुजर गया है। नॉर्ड लक्जरी जहज शुक्रवार को दुबई से रवाना हुआ था। इसने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य पार किया और रविवार को मस्कट पहुंच गया। यह जहाज प्रतिबंधित रूसी अरबपति एलेक्सी मोर्दाशोव की है, जो होर्मुज पार करने वाली कुछ निजी जहाजों में से एक है।

यह लग्जरी जहाज पुतिन के करीबी रूसी अरबपति मोर्दाशोव का बताया जाता है। हालांकि, वे इसके आधिकारिक मालिक के रूप में पंजीकृत नहीं है। नॉर्ड का रिकॉर्ड बताता है यह जहाज 2022 में उनकी पत्नी के स्वामित्व वाली एक कंपनी के नाम पर पंजीकृत थी। इस 142 मीटर लंबे जहाज की अनुमानित कीमत 500 करोड़ डॉलर (करीब 4,700 करोड़ रुपये) से अधिक है। इसमें 20 स्टेटरूम, एक स्विमिंग पूल, एक हेलीपैड और एक सबमरीन मौजूद है।

यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोपीय संघ ने कई रूसी नागरिकों को प्रतिबंधित किया है, जिसमें मोर्दाशोव भी शामिल हैं। उनको पुतिन से संबंध रखने के कारण निशाना बनाया गया है। ईरान ने 28 फरवरी से होर्मुज पर प्रतिबंध लगाया है, जबकि अमेरिकी सेना ने ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी की है। इसके बावजूद, जहाज को गुजरने की अनुमति किसने दी, यह सामने नहीं आया है। अभी भी कई जहाज और टैंकर ओमान और फारस की खाड़ी में खड़े हैं।

इंडोनेशिया के बेकासी में खड़ी ट्रेन से टकराई लंबी दूरी की ट्रेन, अब तक 14 मौत

जकार्ता,(आरएनएस)। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से सटे बेकासी में सोमवार देर रात 2 ट्रेनों की टक्कर हो गई, जिसमें 14 लोगों के मारे जाने की खबर है। सरकारी रेलवे कंपनी पीटी केरेटा एपी इंडोनेशिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉबी रसीदीन ने बताया कि मंगलवार सुबह तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। रसीदीन ने बताया कि कम से कम 84 लोग घायल हैं। ट्रेन के मलबे में फंसे शवों को निकालने का काम जारी है।

सोमवार रात को जकार्ता के बाहरी इलाके बेकासी तिमुर स्टेशन पर एक यात्री रुकी हुई थी। तभी एक लंबी दूरी की ट्रेन अर्गो ब्रोमो अंगग्रेक ने उसके पिछले डिब्बे में टक्कर मार दी। जिस डिब्बे में ट्रेन की टक्कर लगी, वह डिब्बा केवल महिलाओं के लिए आरक्षित था। घटना के बाद तेज धमाके की आवाज आई और चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि अर्गो ब्रोमो अंगग्रेक ट्रेन में सवार सभी 240 यात्रियों को कोई चोट नहीं आई।

इंडोनेशिया की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा समिति ने रेल दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद प्रभावित लाइन पर ट्रेनों का आवागमन रोक दिया गया है। बता दें कि इंडोनेशिया के पुराने रेल नेटवर्क पर दुर्घटनाएं आम बात हो गई हैं। जनवरी 2024 में, पश्चिम जावा प्रांत में दो ट्रेनों की टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम 4 लोगों की मौत हुई थी। देश में 2019 से 2023 तक करीब 63 रेल हादसे हुए हैं।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के विश्वविद्यालय और रिहायशी इलाकों में दागे रॉकेट, 7 की मौत

काबुल, (आरएनएस)। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान प्रशासन ने पाकिस्तानी सेना पर युद्धविराम उल्लंघन का आरोप लगाया है। अफगान अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को पाकिस्तान ने पूर्वी अफगान प्रांत कुनार में विश्वविद्यालय और रिहायशी इलाकों पर मोर्टार और रॉकेट दागे हैं, जिसमें कम से कम 7 लोग मारे गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमलों में 75 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कुनार विश्वविद्यालय के करीब 30 छात्र और एक प्रोफेसर भी शामिल हैं।

तालिबान के उपप्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने बताया कि कुनार प्रांत के असदाबाद में घरों और सैयद जमालुद्दीन अफगानी विश्वविद्यालय को निशाना बनाकर हुए हमलों में लगभग 30 छात्र, महिलाएं और बच्चे घायल हुए हैं। यह हमला अगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर पाकिस्तानी हवाई हमले के कई हफ्तों बाद किया गया था, जिसमें 269 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कुनार प्रांत में लड़ाकू विमान और ड्रोन का इस्तेमाल हुआ है।

पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने विश्वविद्यालय और आवासीय क्षेत्रों पर हमले की बात से इनकार करते हुए खबरों को फर्जी बताया। मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, अफगान सरकार के आरोप झूठे हैं। जब और जहां भी पाकिस्तान अफगानिस्तान स्थित आतंकी ढांचे पर हमला करेगा, वह पहले की गई कार्रवाइयों के अनुरूप होगा, जिसकी पूरी घोषणा और जिम्मेदारी ली जाएगी।

कंगाली के बीच पाकिस्तान में महासंकट, सिर्फ 5 दिन का कच्चा तेल बचा; क्या फिर लगने वाला है लॉकडाउन?

इस्लामाबाद (आरएनएस)। वैश्विक मंचों पर खुद को बड़े 'मध्यस्थ' के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान के सामने अब एक ऐसा खौफनाक घरेलू संकट खड़ा हो गया है, जिसने पूरे देश की नींद उड़ा दी है। पाकिस्तान के ऊर्जा और वित्त मंत्रालय की ओर से एक ऐसा डराने वाला कुबूलनामा सामने आया है, जिससे देश में भारी खलबली मच गई है। शहबाज शरीफ सरकार ने आधिकारिक तौर पर यह मान लिया है कि देश के पास अब कच्चे तेल का रिजर्व (भंडार) केवल 5 से 7 दिनों का ही बचा है। वहीं, हालात इतने बदतर हैं कि डीजल और एलपीजी जैसे अन्य ईंधनों का स्टॉक भी महज कुछ ही हफ्तों में पूरी तरह खत्म हो जाएगा। पाकिस्तान में अचानक उपजे इस भयानक ऊर्जा संकट के सीधे तार मध्य पूर्व में चल रहे भू-राजनीतिक तनावों और युद्ध से जुड़े हैं। ईरान और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ते तनाव के कारण ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक 'होर्मुज स्ट्रेट' को व्यापारिक जहाजों के लिए लगभग पूरी तरह से बंद कर दिया है। आपको बता दें कि दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल इसी संकरे समुद्री रास्ते से होकर गुजरता है। पाकिस्तान अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए मुख्य रूप से सऊदी अरब और कुवैत जैसे खाड़ी देशों से होने वाले आयात पर ही निर्भर है। अब रास्ता बंद होने और जहाजों की भारी कमी के कारण पाकिस्तान की सप्लाई चेन पूरी तरह चरमरा गई है।

पेट्रोलियम मंत्री का खौफनाक खुलासा, पेट्रोल का रिजर्व शून्य

पाकिस्तान के केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने मौजूदा हालातों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए देश को बुरी खबर दी है। समा टीवी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यह युद्ध जल्द खत्म होता नहीं दिख रहा है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी अनिश्चितता और संकट पैदा हो रहा है। मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह किया कि पाकिस्तान के पास वर्तमान में एक दिन का भी पेट्रोल रिजर्व मौजूद नहीं है यानी पेट्रोल का स्टॉक 'जीरो' हो चुका है।

खंड-I

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय- दक्षिण बैतूल (सा0) वनमंडल मध्यप्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 2273/ई-टेंडरिंग/2026-27 **दिनांक 23/04/2026**

1. वनमंडलाधिकारी, दक्षिण बैतूल (सा0) वनमंडल द्वारा म0प्र0 भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	स्पेसिफिकेशन	यूनिट	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	BARBED WIRE	Line Wire-Galvanized steel wire of 2.5 mm diameter. Point wire- Galvanized steel wire of 2.5 mm diameter. Barbs- Distance between two boards 75mm, the barbs shall have four points and shall be formed by twisting two point wires each two turns. tightly around both the line wires making altogether four complete turns. Standard-Conforming to IS-278-2009	Per Kg.	2,00,000/-	1000/-
2	PRCC Fencing Poles Height 2.0 m	PRE STRESSED RCC FENCING POLES Type- Straight Length - 2.00 m Dimensions- Bottom 10x10 cm square, Cement Concrete Mix- Concrete Mix Shall be conforming to grade M-15 of IS:456:2000 Reinforcement- There Shall be 4 Nos. of vertical reinforcement of high tesile steel wire of 4 mm dia. Holes.Hooks- 6 nos, bottom hole should be provided 50 cm above the bottom of the poles, The central distance between the top and bottom holes shall be equally divided for remaining holes. J Hook shall be of 6mm dia MS Bar with proper threads at one end nut and washer for tightening purpose. These J bolts shail be pass through the holes of poles. Manufacturing- In order to ensure desired compressive. strength, RCC fencing poles should be compacted with the help of plat form vibrators. Surface should be uniform and free from voids. The concrete cover over the reinforcement should not be less than 1.5 cm. Standard- Conforming to IS 4996:1984 with up to date amendments.	Nos.		
3	RCC Fencing Poles Height 2.0 m	Type-Straight Length- 2.00 m Dimensions- Bottom 10x10 cm square,Top 8x8 cm square. Cement Concrete Mix- Cement,sand and metal ratio 1:2:4, with12.5 nominal size coarse aggregate.Sand used should be free from clay and salt. concrete mix shall be conforming to grade M-15 of IS:456:2000 Reinforcement 4 round vertical bars of 6 mm diameter.11 no of stirrups of 6 mm diameter round MS bars 20 cm center to center. Hooks 5 no, bottom hook should be provided 60 cm above the bottom of the pole, second at 82.5cm, third hook at 112.5 cm, fourth hook at 150 cm, top and fifth hook at 195 cm from bottom. Manufacturing In order to ensure desired compressive strength,RCC fencing poles should be compacted with the help of plat form vibrators. Surface should be uniform and free from voids.The concrete cover over the reinforcement should not be less than 1.5 cm.	Nos.		
4	U Nails	MS-Corrosion Resistant U shape Stainless Steel	Per Kg.		
5	Galvanized steel Chain Link Fence	Mesh Wire-Galvanized steel wire of 3,15 mm diameter Fabric Size-100x100 mm. Height-150 cm Line Wire-2 numbers of line wires of 4.00 mm diameter. Standard- Conforming to IS-2721-2003, with up to date - amendments	square meters		
		Mesh Wire-Galvanized steel wire of 3.15 mm diameter Fabric Size-75x75 mm Height-150 cm Line Wire-2 numbers of line wires of 4.00 mm diameter Standard- Conforming to IS-2721-2003, with up to date - amendments			

1 निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।
2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का आनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 29 मई 2026 दोप 3:00 बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
3. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।
4. निविदा पूर्व बैठक दिनांक 06 मई 2026 समय दोप, 2:00 बजे को कार्यालय दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल में आयोजित की जाएगी, जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं वनमंडल कार्यालय में उपस्थित रहे, उसके बाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होंगे जिन्होने ई-टेंडर फार्म खरीदे है।
5. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
6. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल: https://www.mptenders.gov.in/

G/12122/26

वनमंडलाधिकारी
दक्षिण बैतूल (सा0) वनमंडल

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

खेल समाचार

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद में मुकाबला

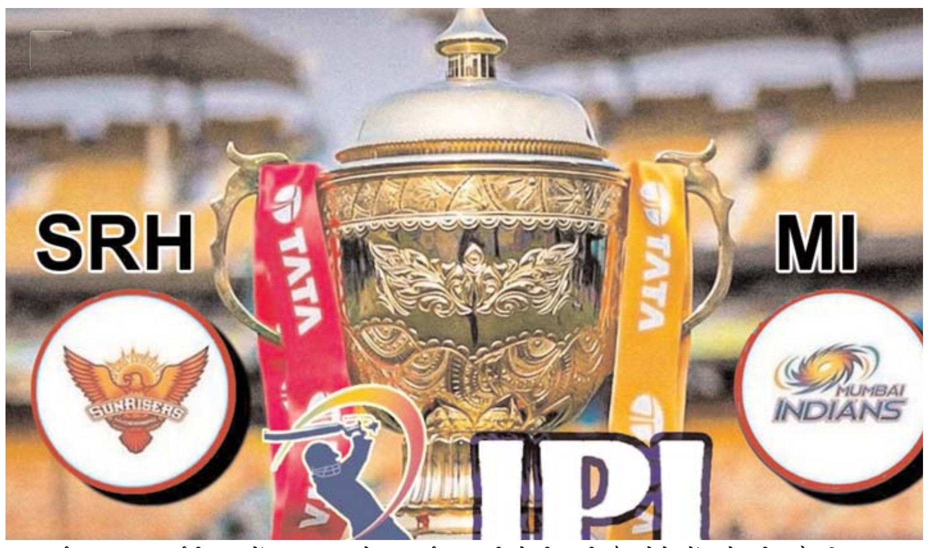

मुम्बई (ए.)। आईपीएल में बुधवार को मुम्बई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के इरादे से उतरेगी। मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल 4 अंक लेकर 9 वें स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभाव प्रदर्शन नहीं कर पाये है। कई स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी टीम में निरंतरता की कमी देखी गयी है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली 103 रन से मिली हार से उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया है।टीम के चार प्रमुख खिलाड़ी कप्तान हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। तिलक वर्मा के गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक लगाकर टीम को चार मैचों के बाद जीत दिलायी थी पर सीएसके से हार के कारण वह फिर पीछे खिसक गयी है। गेंदबाजी की बात करें तो उसके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक विफल रहे हैं1वह अभी तक केवल दो विकेट ही ले पाए हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट भी अब तक विफल रहे हैं। वह एक विकेट ही ले पाये हैं। दीपक चाहर के नाम भी एक विकेट ही है। ऐसे में उसके लिए सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा।रोहित शर्मा के चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। उनकी जगह शामिल दानिश मालेवार असफल रहे है। वहीं चोटिल मिचेल सैंटनर की जगह केशव महाराज को टीम में शामिल किया गया है, अब देखना है कि विल जैक्स को अंतिम एकादश में जगह मिलती है या नहीं।वहीं दूसरी और सनराइजर्स की टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सनराइजर्स के पास ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और ट्रेविस हैड जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसके बाद वानखेड़े स्टेडियम के हालातों का लाभ उठाकर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे।

आईपीएल में पहले शतक के लिए विराट को करना पड़ा था आठ साल इंतजार

मुम्बई (ए.)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली आज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं पर

उन्हें भी अपना पहला शतक बनाने के लिए 8 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था। विराट ने शुरुआत से अभी तक के सभी आईपीएल सत्र खेले हैं। इससे उनके नाम आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन, सबसे ज़्यादा अर्धशतक और शतक होने के साथ ही सबसे अधिक चौके भी हैं। इसके अलावा 300 से अधिक छक्के भी उनके नाम हैं हालांकि इसके बाद भी वह शुरुआती सत्रों में शतक नहीं लगा पाये थे। पहला शतक लगाने के बाद कोहली लगातार आगे बढ़ते गये हैं।विराट अपनी को पावर हिटिंग की जगह पर पारंपरिक अंदाज में खेलने के लिए जाना जात है।

आईपीएल में बिगड़ रहा गेंद ओर बल्ले का संतुलन : रिपोर्ट

मुम्बई (ए.)। आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के मुकाबले जारी है। साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही आईपीएल ने लगातार प्रगति करते हुए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनायी है। इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेटर खेलते हैं। यह लीग अपनी गुणवत्ता और रोमांच मुकाबलों के कारण चर्चित रही है और इस पर प्रशंसकों का भरोसा बना हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सत्र से इस लीग में जिस प्रकार से बल्लेबाज हावी होने लगे हैं। उससे इसका संतुलन खराब हो रहा है। अब लगाता है कि यह लीग अब बल्लेबाजों का स्वर्ग बन गयी है। इसमें गेंदबाजों की भूमिका सीमित होती जा रही है। इसका कारण कई नियम है जो गेंदबाजों के खिलाफ जाते हैं। प्रायोजक बड़े स्कोर वाले मैच चाहते हैं जिससे की प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रहे।

इस सत्र में कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जो खेल के संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ चुके हैं। हाल ही में एक ही दिन में 464 गेंदों में 985 रन बने।

यहां तक कि 265 और 228 जैसे बड़े लक्ष्य भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। यह इस बात को दिखाता है कि अब कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। गेंदबाज अब सिर्फ चौके-छक्के खाने के लिए गेंद फेंकते नजर आ रहे हैं, उनकी भूमिका मैदान पर केवल औपचारिकता पूरी करने तक ही रह गयी है।

इसी कारण कई क्रिकेट विशेषज्ञ खेल को लेकर खुश नहीं है। जसपीत बुमराह, पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड, अर्शदीप सिंह या जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों को भी ऐसे चौके-छक्के पड़ रहे हैं, जैसे वे किसी स्थानीय टीम के गेंदबाज हों।

भोपाल तिराहे से नर्मदापुल तक लगाई जानी चाहिए स्ट्रीट लाइट

नर्मदापुरम एवं बुदनी नगर पालिका को देना चाहिए विशेष योगदान बुदनी की दोनों प्रसिद्ध कंपनियों और मैरिज गार्डनों से लिया जाए सहयोग

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित नर्मदापुरम और बुदनी शहर की दूरी लगभग समाप्त सी हो गई है। दोनों तरफ शहरी क्षेत्र का विस्तार हो चुका है। दोनों ही शहरों के हजारों लोगों सहित अन्य राहगीरों का नित्य आना जाना लगा रहता है। सड़क मार्ग अति व्यस्त हो जाता है। रात्रि के समय में भी बड़ी संख्या में वाहन चालकों का आना जाना होता है। विशेष रूप से बुदनी में स्थित दोनो प्रमुख कंपनियों ट्राईडेंट और वर्धमान के कर्मचारी और अधिकारियों का भी लगातार आवागमन होता रहता है। क्योंकि कई कर्मचारी और अधिकारी नर्मदापुरम में रहते हैं। इन तमाम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका नर्मदापुरम, नगर पालिका बुदनी, के साथ ही दोनों कंपनी और भोपाल तिराहे से लेकर नर्मदा पुल तक बने मैरिज गार्डन वालों के संयुक्त

सहयोग से इस मार्ग पर स्ट्रीट लाइट लगाई जानी चाहिए। यह मुद्दा जनहित की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इसलिए इसमें दोनों शहरों के नागरिकों जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों को भी विशेष रूचि लेते हुए इस कार्य को कराने पर जोर देना चाहिए। सांसदों विधायकों से भी निधि लेकर इस जनहित के कार्य में लगाई जा सकती है।

मूर्ति लगने के साथ सौंद्रर्यीकरण भी बढ़ना चाहिए

नगर पालिका के द्वारा भोपाल तिराहे पर मां नर्मदा की मूर्ति लगाकर एक सार्थक कार्य किया गया है। हालाकि स्थान को ध्यान में रखते हुए मूर्ति और बड़ी होनी चाहिए थी। भोपाल तिराहे पर राजस्थानी पत्थरों से सौंदर्यीकरण करने की कोशिश अच्छी हुई है। चौराहे पर लाइट भी ठीक है। लेकिन इस स्थान पर आकर्षक पेड़ लगाए जाने चाहिए जिससे कि और अधिक सौंदर्यीकरण बन सके।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने किया नगर का निरीक्षण

देखी सफाई व्यवस्थाए गंदगी करने वालों पर जुर्माना लगाने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा मंगलवार को स्वच्छता शाखा प्रभारी दीक्षा तिवारी के साथ नगर की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। गंदगी करने वालों पर समझाइश देने के साथ ही जुर्माने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। स्वच्छता निरीक्षक कमलेश तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले तथा स्वच्छता शाखा प्रभारी दीक्षा तिवारी के निर्देशन में नगर में लगातार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा नगर के अनेक क्षेत्रों का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। नेहरू पार्क के पास सब्जी विक्रेता द्वारा फल एवं सब्जी के डंठल फैंकने पर नाराजगी व्यक्त की तथा दोबारा कचरा करने पर जुर्माने करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

लंबे समय बाद लग रहा है कि मुख्यालय पर सक्रिय कलेक्टर का आगमन हुआ है

पूत के पांव पालने में दिखने वाली कहावत हो रही चरितार्थ

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यालय पर पूत के पांव पलने में दिखने वाली कहावत चरितार्थ होते नजर आ रही है। लंबे समय बाद सक्रिय कलेक्टर की उपस्थिति का ऐहसास हो रहा है। कलेक्टर को कई कार्य रहते हैं। व्यस्तता स्वाभाविक है। इसके बाद भी सबकी अपनी अपनी कार्य शैली भी होती है। पूर्व में भी अनेक कलेक्टरों की सक्रिता रही है। लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ अजीब ही माहौल था। कलेक्टर सोमेश मिश्रा को आए हुए अभी बहुत कम समय हुआ है। लेकिन उनकी कार्य शैली बता रही है कि उनके द्वारा कलेक्टर के पद की गरिमा को सार्थकता प्रदान की जाएगी। कुछ दिन पूर्व ही मंडला से आई पीएचई मंत्री संपतिया उइके ने भी जनप्रतिनिधियों से कहा है कि कलेक्टर की कार्यशैली अच्छी है। एक अच्छी बात यह है कि उनका धार्मिक शहरों से विशेष जुड़ाव रहा है। मंडला से आए हैं तो वहां भी नर्मदा जी का तट है। यहां भी मां नर्मदा का तट है। मां नर्मदा के तट पर कार्य करने का उनका अनुभव यहां कुछ नया करने का मौका देगा।

दिखने लगा है सीधा जुड़ाव

कम समय में ही कलेक्टर का लोगों से सीधा जुड़ाव दिखने लगा है। उनके द्वारा जो दुर्घटना में घायलों की राशि अस्पताल से वापस करवाने वाला कार्य है। यह पहली बार हुआ है। अब ऐसा लग रहा है कि आयुष्मान कार्ड होने पर भी अनेक अस्पताल वाले उस कार्ड से उपचार करने की मना करते हैं अब शायद वे मना नहीं करेंगे। फिल्हाल यह कहा जा सकता है कि जिले में अनेक परिवर्तन बदलाव देखने को मिल सकते हैं। कृषि प्रधान जिला होने से किसानों की समस्याओं का भी काफी हद तक निराकरण होने की संभावना है।

ट्रैक्टर ट्राली और रेत के डंपरों व अन्य वाहनों के पीछे लगना चाहिए रेडियम

दुर्घटना रोकने के लिए होना चाहिए सार्थक प्रयास

नर्मदापुरम (निप्र)। गत दिवस गेहूं से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली से टवेरा कार के टकरा जाने से पांच लोगों की मौत हो जाना बड़ी घटना है। यह घटना रात के समय हुई है। रात के समय सड़कों पर वाहन कम ही दिख पाते हैं। सड़कों पर अंधेरा भी रहता है। अचानक वाहन सामने आने पर वाहन चालक को दूसरा वाहन कम ही नजर आता है। इसलिए वाहन के पीछे रेडियम लगा होने से वाहन दूर से नजर आने लगता है। इसलिए प्रमुख रूप से टैक्टर ट्राली व रेत के डंपरों सहित अन्य सभी वाहनों के पीछे रेडियम लगवाया जाना अनिवार्य किया जाना चाहिए जिससे कि सड़कों दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके। हालाकि ऐसा पहले हो चुका है। लेकिन अब तक उन सभी ट्रालियों के रेडियम निकल चुके हैं। फिर से लगना चाहिए।

पशुओं के सींगों पर भी लगाए जाएं रेडियम

बड़ी संख्या में शहरों तथा शहर के बाहर सड़कों पर पशुओं का डेरा बना रहता है। इन पशुओं के सींगों पर रेडियम लगाए जाने से दूर से ही पशु नजर आ जाते हैं जिससे वाहन चलाने वाला सतर्क हो जाता है। कई बार सड़कों पर बैठे पशु नजर नहीं आने से भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

जनगणना 2027 हेतु ग्रामीण स्तर पर तैयारियाँ प्रारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। आगामी जनगणना 2027 के अंतर्गत कार्य 01 मई 2026 से प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। इसके पूर्व स्थानीय निकायों द्वारा मकानों पर नंबर अंकित करने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। प्रारंभिक चरण में मकानों की गणना की जाएगी जिसका डाटा मोबाइल ऐप के माध्यम से दर्ज किया जाएगा। जनगणना कार्य की तैयारी के अंतर्गत नर्मदापुरम तहसील अंतर्गत सुपरवाइजर रामकुमार गौर द्वारा क्षेत्र का विस्तृत भ्रमण किया गया। उन्होंने मकानों के नंबर के आधार पर सर्वे कर कार्य की रूपरेखा एवं रणनीति तैयार की। श्री गौर ने जानकारी दी कि नर्मदापुरम तहसील ग्रामीण क्षेत्र को कुल 13 सेक्टरों में विभाजित किया गया है, जिनमें 13 सुपरवाइजर एवं 49 प्रगणकों के माध्यम से कार्य संपादित किया जाएगा। श्री गौर को सेक्टर क्रमांक 02 का दायित्व सौंपा गया है जिसमें रंढाल, परदिह एवं बड़ोदिया कला ग्राम पंचायतें शामिल हैं। इन पंचायतों में कुल 06 ब्लॉक बनाए गए हैं जिनमें लगभग 960 मकानों की गणना की जाएगी। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में किये गये भ्रमण का उद्देश्य कार्य की बेहतर रणनीति बनाने एवं क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का आकलन करना है। भ्रमण के दौरान अर्जुन सिंह यादव ;पलासडोह निकिता चौहान एवं शिवकिशोर चौरे ;बड़ोदिया कला भेरू प्रसाद पालीवाल;परदिह सुमित तिवारी, ललित यादव सचिव मयूर बामनकर ;रंढाल उपस्थित रहे।

76 किमी सड़क से जुड़ेंगी 72 बसाहटें, एंबुलेंस स्कूल बस पहुंचने से बदलेगी ग्रामीण तस्वीर

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में अब विकास की रफ्तार तेज़ होने वाली है। मुख्यमंत्री मजरा टोला योजना के तहत 72 बसाहटों को मुख्य सड़कों से जोड़ने की योजना पर काम तेज किया गया है। इसके अंतर्गत 76.336 किलोमीटर लंबाई की सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। म.प्र. सडक विकास प्राधिकरण इकाई नर्मदापुरम द्वारा उक्त कार्य किया जाएगा। इन सड़कों के बनने से अब तक कच्चे रास्तों और कठिन पहुंच वाले इलाकों में एंबुलेंस की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी, जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिल पाएंगी।

पशुओं के लिए भी चारा पानी की व्यवस्था होना चाहिए

कुत्ते आराम से घर में रहें गाय मारी मारी सड़कों पर फिरें

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश में मोहन यादव की सरकार है। नगर में नीतू यादव की सरकार है। दोनों ही गोपालक परिवार से आते हैं। इसलिए इन जनप्रतिनिधियों को गाय की गंभीरता से चिंता करनी चाहिए। यह देखने में आता है कि बड़ी संख्या में गोवंश सड़कों पर मारा मारा फिर रहा है। इतनी गोशालाओं की व्यवस्था हो भी नहीं सकती। या तो गोशाला की पर्याप्त व्यवस्था हो या फिर जिस प्रकार पहले जब तांगे होते थे तब तांगे वाले घोडों के लिए अनेक चौराहों पर पानी की होज बनी हुई थी जिससे कि तांगे के घोडे उस होज से पानी पी सकें। नेहरू पार्क के सामने ही एक होज थी। जहां पर तांगे वाले अपने घोडों को पानी पिलाया करते थे। यह व्यवस्था नगर पालिका के द्वारा की जाती थी। अब तांगे नहीं रहे तो होज भी नहीं रही। लेकिन बड़ी संख्या में गोवंश सड़कों पर है। इसमें कोई संदेह नहीं है। कुछ समाजसेवी पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करते भी हैं। लेकिन वह कम ही है। इसके लिए नगर पालिका, विधायक, सांसद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को भी ध्यान देकर गोवंश के लिए पीने के पानी की व्यवस्था कुछ स्थानों पर की जानी चाहिए। सिर्फ पानी की ही नहीं उनके चारे के लिए भी व्यवस्था की जानी चाहिए। देखा जा रहा है कि बडी संख्या में कुत्ते आराम से घरों में रह रहें हैं और गोवंश सड़कों पर मारा मारा फिर रहा है। उनकी उतनी चिंता नहीं हो रही है जितनी होनी चाहिए। पूर्व में मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर और उमा भारती ने भी गोवंश पर चिंता व्यक्त की थी। लेकिन उसके बाद भी कोई सुधार नहीं हो सका। प्रदेश सरकार ने गोसंवर्धन बोर्ड बनाया, गो अभ्यारण्य बनाया है। यह अच्छी बात है लेकिन गोशालाओं की हालत में सुधार नहीं हो सका है।

अवैध उत्खनन, परिवहन, ओवरलोड खनिज परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही जारी

रेत का अवैध परिवहन करते 04 वाहन जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत एवं अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, ओवरलोड खनिज परिवहन एवं बिना ढके रेत का परिवहन करने वाले वाहनों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही हैं। तत्संबंध में खनिज विभाग द्वारा 26 अप्रैल 2026 को तहसील-सिवनीमालवा में अभियान चलाकर सिवनीमालवा में 02 डम्पर क्रमांक-MP09DC8669 एवं MP09ZS9918 को रेत खनिज एवं ग्राम-चौतलाय से 01 डम्पर क्रमांक-MP04YU5358} को गिट्टी खनिज का ओवरलोड परिवहन करते जप्त कर पुलिस थाना सिवनीमालवा की अभिरक्षा में रखा गया है। तथा 27 अप्रैल 2026 को तह0-इटारसी से 01 ट्रेक्टर ट्राली स्वराज बिना नंबर को रेत खनिज का अवैध परिवहन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना इटारसी की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। साथ ही रेत के वाहनों की जाँचकर रेत का परिवहन ढककर किए जाने एवं नियंत्रित गति से वाहन चलाए जाने के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

'नीर परवेरु' अभियान को मिल रही गति, जिलेभर में पक्षियों के लिए की जा रही दाना-पानी की व्यवस्था

एक सकोरा, पानी पक्षियों की जिंदगानी की थीम पर हो रहा अभियान का सफल क्रियान्वयन

नर्मदापुरम (निप्र)। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा प्रारंभ किए गए 'नीर पखेरू' अभियान का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत शासकीय कार्यालयों में पक्षियों के लिए पानी एवं भोजन की व्यवस्था करते हुए कार्यालय परिसरों तथा आसपास के वृक्षों पर पानी के सकोरे एवं घोंसले स्थापित किए जा रहे हैं। एक सकोरा, पानी पक्षियों की जिंदगानी थीम पर संचालित इस अभियान को विद्यालयों एवं विभिन्न शासकीय कार्यालयों में सक्रिय रूप से चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने घरों एवं आसपास के उद्यानों में पानी के सकोरे रखकर इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से और व्यापक बनाएं, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को पीने के लिए पानी उपलब्ध हो सके। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित प्रदेशव्यापी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ आदि स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध हो सके ।इसी क्रम में कलेक्टर के निर्देशानुसार 'नीर पखेरू' अभियान के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय एवं तहसील कार्यालय सिवनी मालवा में पक्षियों के लिए सकोरे लगाए गए तथा आमजन को भी इस पहल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय एवं तहसील कार्यालय सोहागपुर में भी पक्षियों के दाना-पानी की व्यवस्था हेतु सकोरे स्थापित किए गए हैं। प्रशासन द्वारा अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दिया जा रहा है।

संकल्प से सिद्धिः पीएमएवाई-यू 2.0 के जरिए झुग्गीवासियों के पुनर्वास पर संसदीय समिति की बैठक में सांसद माया नारोलिया ने दी महत्वपूर्ण राय

नर्मदापुरम (निप्र)। नई दिल्ली शहरी गरीबों और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाने के उद्देश्य से आज नई दिल्ली स्थित संसदीय शोध विस्तार (एनेक्सी) में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कक्ष संख्या 515 में आयोजित आवासन और शहरी कार्य संबंधी स्थायी समिति की इस उच्चस्तरीय बैठक में मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने सक्रिय रूप से भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी ने की। इस दौरान झुग्गी-झोपड़ी पुनर्विकास और पुनर्वास पहल की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई़ी चर्चा का मुख्य केंद्र बिंदु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सभी के लिए आवास के संकल्प को धरातल पर उतारना रहा। सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने बैठक में अपने विचार साझा करते हुए पीएमएवाई-यू 2.0 (P M AY- 2.0) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की यह योजना शहरी निर्धनों के लिए न केवल छत सुनिश्चित करेगी, बल्कि उनके जीवन में सम्मान और सुरक्षा का नया संचार भी करेगी। बैठक में अधिकारियों के साथ योजना की बारीकियों और लाभार्थियों तक त्वरित लाभ पहुँचाने की कार्ययोजना पर गंभीर मंथन हुआ।

जनसुनवाई में आवेदक को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने प्रदान की 4 लाख रुपए की राहत राशि

पात्रता पर्ची की समस्या का हुआ तत्काल समाधान, राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज हुआ नाम

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने 153 से अधिक आवेदनों का परीक्षण कर जनसुनवाई में पहुंचे आवेदन को की समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने प्रत्येक आवेदकों को समक्ष में बिठाकर उनकी समस्याएं संवेदनशीलता के साथ सुनी तथा कई मामलों का उन्होंने मौके पर ही समाधान किया। कलेक्टर ने राजस्व, अवैध कब्ज़ा, राशन समस्या, आवास, सीमांकन, बंटवारा सहित अन्य समस्याओं की विस्तार पूर्वक समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों को उनका निर्धारित समय सीमा में समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि राजस्व मामले जैसे सीमांकन बंटवारा नामांतरण आदि से संबंधित समस्याओं में राजस्व अधिकारियों द्वारा विशेष प्राथमिक की कार्यवाही करते हुए उनका निराकरण किया जाए तथा पारित आदेशों की तामिली भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि अधिकारी प्रयास करें कि अनुविभागीय स्तर पर ही आवेदकों की समस्या का समाधान हो जाए। किसी के साथ कलेक्टर ने समस्त जिलाधिकारी को निर्देशित किया की जनसुनवाई के दौरान अथवा किसी अन्य समस्या के लिए पहुंचने वाले नागरिकों से सौम्य एवं शांतिपूर्ण व्यवहार से बात करें। उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुने एवं उनको उनकी समस्याओं के लिए उचित मार्गदर्शन दें।

करंट से मृत्यु पर 4 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान

जनसुनवाई के दौरान सोहागपुर तहसील निवासी राजपुरी गोस्वामी के आवेदन जिसमे उन्होंने बताया कि उनके पुत्र मुकेश पुरी गोस्वामी की कृषि कार्य करने के दौरान करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। जिसकी राहत राशि अभी तक अप्राप्त है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने राहत शाखा प्रभारी को निर्देशित किया कि मामले की जांच कर शीघ्र ही आवेदक को राहत राशि राशि उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर से प्राप्त निर्देशानुसार राहत शाखा प्रभारी द्वारा मामले की जांच कर राशि प्रदाय किए जाने की कार्यवाही की गई। तत्पश्चात कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा आवेदक को 4 लाख रुपए की राशि का चेक प्रदान किया गया।

पात्रता पर्ची की समस्या का हुआ तत्काल समाधान

जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने नर्मदापुरम निवासी श्रीमती बसंती बस्तावर की राशन संबंधी समस्या का समाधान किया। आवेदन में श्रीमती बस्तवार ने बताया कि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है तथा आर्थिक समस्या के कारण दो बच्चों का पालन पोषण करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कलेक्टर एल समक्ष पात्रता पर्ची चालू किए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने त्वरित संज्ञान लेते हुए डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती नीता कोरी को निर्देश दिए कि आवेदक की समस्या का समाधान करवाया जाए। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशानुसार जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा पात्रता पर्ची जो कि 6 माह राशन न लेने के कारण बंद हो गई थी उसे राशन मित्र पोर्टल पर एंट्री करवाई गई। इसी प्रकार डोलरिया निवासी गोपी अहिरवार के पात्रता पर्ची प्राप्त न होने के आवेदन का वितरण समाधान करते हुए उनकी एंट्री नाम राशन मित्र पोर्टल पर करवाई गई।

कार्यालय कलेक्टर जिला नर्मदापुरम

::विज्ञप्ति::

//निविदा आमंत्रण सूचना//

क्रमांक/नाजरात/I/966078/2026 नर्मदापुरम, दिनांक 23-04-2026

जिला कार्यालय एवं जिले के अन्य समस्त शासकीय कार्यालयों हेतु लेखन सामग्री क्रय संबंधी निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विस्तृत विवरण वेबसाईट https://narmadapuram.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर आई.डी. जावक क्रं. दिनांक	सामग्री का नाम	निविदा प्रपत्र मूल्य (राशि रू. में)	अमानत राशि (राशि रू. में)	कार्य की अनुमानित (राशि रू. में)
1	2	3	4	5	6
1		जिला कार्यालय एवं जिले के अन्य समस्त शासकीय कार्यालयों हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु लेखन सामग्री क्रय संबंधी निविदा	1000/-	50,000/-	5,00,000/-

निविदा का फार्म, शर्ते एवं लेखन सामग्री की सूची दिनांक 24.04.2026 से 15.05.2026 को दोपहर 2.00 बजे तक जिला कार्यालय (नाजरात शाख ार्यालयीन समय में (अवकाश के दिन छोडकर) उपस्थित होकर प्राप्त व जमा की जा सकेगी।

कलेक्टर महोदया द्वारा अनुमोदित

जी/12130/26

अपर कलेक्टर

जिला-नर्मदापुरम

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com